मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 95
बुधवार, 16 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, 20 नवंबर को डाले जाएंगे वोट, 23 नवंबर को होगी वोटो की गिनती

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। चुनाव आयोग ने आज महाराष्ट्र के लिए विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम का ऐलान किया। महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीटें हैं। चुनावी तारीख को का ऐलान करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे जबकि 23 नवंबर को वोटो की गिनती होगी। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, महाराष्ट्र में 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी तथा नामांकन की आखिरी तिथि 29 अक्टूबर होगी। कुमार ने बताया कि नामांकन पत्र चार नवंबर, 2024 तक वापस लिए जा सकते हैं। महाराष्ट्र में, सत्तारूढ़ महयुति गठबंधन जिसमें एकनाथ शिंदे की शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल है, का मुकाबला विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से होगा जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार (शरदचंद्र पवार) के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल है। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में, भाजपा कुल 288 विधानसभा सीटों में से 105 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उसके गठबंधन सहयोगी शिव सेना ने 56 सीटें जीतीं। बीजेपी-शिवसेना गठबंधन के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त बहुमत था। हालाँकि, मुख्यमंत्री पद को लेकर सत्ता संघर्ष के कारण दोनों दलों के बीच विभाजन हो गया। अंततः शिवसेना ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के तहत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस के साथ सरकार बनाई। शिवसेना से उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव होने हैं और 26 नवंबर से पहले विधानसभा का गठन होना जरूरी है। मुझे बहुत खुशी है कि चुनाव आयोग ने आज चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। 20

नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को मतगणना होगी। मुझे पूरा यकीन है कि महाराष्ट्र में लोग विकास, अच्छे काम और निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को अपनाएंगे जिसके कारण एनडीए को तीसरी बार जीत मिली है और यह तथ्य भी सामने आया है कि हमने हाल ही में चुनाव देखे हैं। लोगों ने अच्छे काम और विकास तथा भारत सरकार और संबंधित राज्य सरकारों द्वारा लोगों को दी गई योजनाओं के लिए वोट किया है। इसलिए मुझे लगता है कि महाराष्ट्र में हम दोबारा सत्ता में आएंगे। भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा कि महायुति चुनाव के लिए तैयार है। तीनों पार्टियों का फॉर्मूला जल्द ही सामने आएगा। डबल इंजन की सरकार ही राज्य को विकास के रास्ते पर ले जा सकती है।

चाहे 84 का हो जाऊं या 90 का, महाराष्ट्र को पटरी पर लाने तक यह बूढ़ा रुकेगा नहीं : शरद पवार

पुणे, 15 अक्टूबर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाने तक आराम से नहीं बैठेंगे चाहे वह कितने ही बूढ़े क्यों न हो जाएं। पवार ने महाराष्ट्र में सातारा जिले के फलटण में सोमवार को कहा कि चाहे 84 वर्ष का हो जाऊं या 90, यह बूढ़ा आदमी नहीं रुकेगा। वह राकांपा नेता रामराजे नाइक निंबालकर के भाई संजीव राजे नाइक निंबालकर और फलटण के विधायक दीपक चह्वाण को राकांपा (एसपी) में शामिल करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के कुछ युवा सदस्यों को उनकी तस्वीरों वाले बैनर लिए देखा था। राकांपा (एसपी) अध्यक्ष ने कहा, उन बैनर पर मुझे 84 साल का बूढ़ा आदमी बताया गया था। लेकिन आप चिंता मत करिए क्योंकि चाहे 84 का हो जाऊं या 90 का, यह बूढ़ा आदमी रुकेगा नहीं। यह बूढ़ा आदमी राज्य को सही रास्ते पर लाने तक रुकेगा नहीं और मुझे आपकी मदद मिलने का भरोसा है। उन्होंने राज्य में एकनाथ शिंदे नीत गठबंधन सरकार पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया। अगस्त में सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यह घटना दिखाती है कि प्रतिमा के निर्माण में भ्रष्टाचार किया गया। उन्होंने कहा, यह उन लोगों की नीति है जो हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार में लिप्त रहते हैं और इसलिए यह आपकी और मेरी जिम्मेदारी है कि हम उनके हाथों से सत्ता छीन लें। महाराष्ट्र में 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होगा और नतीजों की घोषणा 23 नवंबर को की जाएगी।

बीजेपी को जल्द मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष, चुनाव पदाधिकारियों के नाम का पार्टी ने कर दिया ऐलान

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। आज चुनाव आयोग ने झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया है। दोनों ही राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को आ जाएंगे। इन सब के बीच भाजपा में भी संगठन चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। दरअसल, भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर संगठन का चुनाव कराने जा रही है। इसी के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव होगा। आपको बता दें कि वर्तमान में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल पहले ही पूरा हो गया है। वह मोदी सरकार में मंत्री भी है। भाजपा हमेशा एक व्यक्ति एक पद पर फोकस करती है। ऐसे में संगठन का चुनाव करना उसके लिए जरूरी हो गया है। यही

कारण है कि भाजपा ने संगठन के चुनाव कराने के लिए अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए बकायदा भाजपा की ओर से प्रेस रिलीज जारी किया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के फैसले के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डॉक्टर के लक्ष्मण को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी की नियुक्त किया है। उनके साथ नरेश बंसल, रेखा वर्मा और संबित पात्रा राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी होंगे। इसे तत्काल लागू कर दिया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा को बहुत जल्द ही नया अध्यक्ष मिल सकता है। नए अध्यक्ष को लेकर कई नाम चचाओं में है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को वरिष्ठ नेता बैजयंत जय पांडा को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का प्रभारी नियुक्त किया।

भारत का वस्त्र उद्योग 2030 तक 35,000 करोड़ डॉलर का होगा: गिरिराज सिंह

भदोही, 15 अक्टूबर । भदोही में 47 वें अन्तर्राष्ट्रीय कालीन मेले का शुभारम्भ केंद्रीय सरकार मे कैबिनेट एवं कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने किया। इस दौरान अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि

भारत में वस्त्र उद्योग साल 2030 तक 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुँच जाएगा। एक्सपो में 67 देशों के 500 से ज्यादा आयातक भाग ले रहे हैं।

भदोही में 47 वें कार्पेट एक्सपो मार्ट के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने 2030 तक 100 बिलियन डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है इस लक्ष्य को पाने में कारपेट उद्योग की भूमिका अहम होगी। सिंह ने कहा

कि वर्तमान में वस्त्र उद्योग 170 मिलियन डॉलर का है जिसे 2030 तक 350 बिलियन डॉलर तक लाया जाएगा। कपड़ा मंत्रालय में इस बढ़ोतरी से 20 लाख मिलियन टन यार्न की जरूरत होगी। इससे में नेचुरल विस्कोस और रीप्रोड्यूस यार्न की आने वाले दिन में मांग बढ़ेगी।

कालीन निर्यातक संगठन को इस पर ध्यान रखकर अपनी कार्य योजना बनानी चाहिए। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि कालीन उद्योग को अपना व्यापार 16 हजार करोड़ से 50 हजार करोड़ तक ले जाने की योजना पर कार्य करना चाहिए। दरी और कारपेट चचेरे भाई हैं। लोगों को रोजगार देने वाले इस उद्योग के विकास पर हमारा हर स्तर पर सहयोग रहेगा। कालीन भदोही की विरासत है और तुर्की हमारे सामने कुछ भी नहीं है। हमें इसमें तकनीक का प्रयोग कर अपनी विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य करना होगा। डिजाइन में नया पैटर्न लाकर अपनी विरासत को बढ़ाएं। उत्पादों का खर्च कम करने के लिए भदोही में कच्चे उत्पादन के लिए वूलन मिल लगाना चाहिए और कच्चा मटेरियल बैंक की भी स्थापना होनी चाहिए।

गिरिराज सिंह तकनीक पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने घोषणा की कि 6 महीने के अंदर एक नया फाइबर पर काम हो रहा है जो जूट और बंबू से मिलकर तैयार होगा। वस्त्र उद्योग के विकास को लेकर उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए उत्पादन को निर्माण स्थान पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां के उद्योग के लिए कच्चा माल गुजरात से बीकानेर और बीकानेर से भदोही आती है। इससे कीमत बढ़ जाती है और इसे कम करने का रास्ता है कि यहां पर कच्चा पदार्थ का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि सस्ते कारपेट की मांग दुनिया में बढ़ रही है इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

सिंह ने कहा कि भदोही में आयोजित चार दिवसीय मेले में 67 देशों 500 से ज्यादा आयातक प्रतिनिधि और 260 निर्यातक देश के विभिन्न हिस्सों से भाग ले रहे है।

भदोही का कार्पेट सिटी में चार दिवसीय मेला वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के द्वारा आयोजित हो रहा है।

झारखंड में दो चरणों में होगी वोटिंग, 23 नवंबर को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। झारखंड विधानसभा चुनाव का ऐलान करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि इस बार राज्य में दो चरणों में ही चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। पहले चरण के वोट 13 नवंबर को डाले जाएंगे जबकि दूसरे चरण के लिए मतदान 20 नवंबर को होंगे। वहीं, झारखंड चुनाव के नतीजे भी महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे के साथ 23 नवंबर को आएंगे। झारखंड विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला होगा, जो झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटाना चाह रही है। 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में, झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन, जिसमें कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शामिल थे, ने विधानसभा की 81 सीटों में से 47 सीटें जीतकर निर्णायक जीत हासिल की। झामुमो 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि कांग्रेस ने 16 सीटें जीतीं और राजद ने 1 सीट जीती। चुनाव से पहले सत्ता में रही बीजेपी ने 25 सीटें जीतीं. चुनाव के बाद झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालाँकि, कथित भूमि घोटाला मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रहे सोरेन को इस बार एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। बीजेपी नेता प्रतुल शाह देव ने कहा कि हम चुनाव आयोग की घोषणा का स्वागत करते हैं। 2.6 करोड़ लोग झारखंड की अगली सरकार के लिए मतदान करेंगे।

इंडिया कारपेट एक्स्पों की शान बनी कारपेट पर उकेरी गयी श्रीराम मंदिर

- दो माह में बुनकरों की हाड़तोड़ मेहनत से बनी कालीन की कीमत एक लाख कारपेट पर उकेरी गयी
- श्रीराम मंदिर न सिर्फ विदेशियों को भा रही है, बल्कि देश के कोने कोने से आएं निर्यातकों के आकर्षण का केन्द्र बनी हई है

सुरेश गांधी

भदोही। कारपेट इक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल (सीईपीसी) के तत्वावधान में आयोजित एक्सपो मार्ट में इंटरनेशनल इंडिया कारपेट एक्सपों की एक स्टॉल पर ह्यकारपेटह्ल पर उकेरी गयी ह्यश्रीराम मंदिरह्ल न सिर्फ विदेशियों को भा रही है, बल्कि देश के कोने कोने से आएं निर्यातकों के आकर्षण का केन्द्र

बनी हई है। खासकर मेले का उद्घाटन करने पहुंचे केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरीराज सिंह की मेले में भ्रमण के दौरान कालीन पर उकेरी गयी श्रीरम मंदिर पर निगाह गयी तो एकटक निहारते ही रह गए।

मंत्री ने इसे बुनने वाले कारीगरों की न सिर्फ प्रसंशा की बल्कि युवा निर्यातक आर्यन जायसवाल के इस आईडिया को भी सलाम किया। उन्होंने कहा कि जिस दिन सनातनी युवाओं में इस तरह के सोच व धर्म के प्रति लगाव डेवलप हो जायेंगे, वो दिन दूर नहीं जब पाश्चात संस्कृति को अपना आदर्श मानने वाले वॉलीवूड को करारा तमाचा लगेगा। युवा कालीन निर्यातक आर्यन जायसवाल का कहना है कि कालीन पर राम मंदिर को बनाने के लिए दुर्लभ ह्लउचंत बिनकारीह्ल का सहारा लिया गया है. आम बिनकारी में जहां करघे पर नक्शे के जरिये बिनाई होती है, लेकिन उचंत आर्ट या बिनकारी में बगैर नक्शे के बुनकरों ने सीधे उसी तरह बिनकारी करता है जिस तरह से कोई पेंटर सामने तस्वीर रखकर पेंटिंग करता है.

मखमली धागों से बनी इस कालीन पर दो महीने की कड़ी मेहनत के बाद श्रीराम मंदिर की छवि तैयार की गई है. खास यह है कि कालीन में राम मंदिर के शिखर से लेकर पिलर, खंभों और दीवारों तक को हुबहू रेशमी धागों से उकेरा गया है. उन्होंने बताया कि इस कालीन की कीमत इंटरनेशनल मार्केट एक लाख से अधिक है। बुनकरों के हवाले से निर्यातक आर्यन ने बताया कि इसके लिए काफी एकाग्रता की जरूरत होती है. कालीन पर राम मंदिर बनाने के लिए बुनकरों को रोजाना लगभग 8 घंटों तक बिनाई करनी पड़ी. राम मंदिर की कालीन को बनाने के लिए डिजाइन और कलर पर विशेष ध्यान दिया गया है. इसकी डिमांड अब भारत ही नहीं विदेशों तक पहुंच गई है. राम मंदिर बनने के बाद अब मुस्लिम देश इंडोनेशिया से पहली बार ऑर्डर आया है. राम नवमी के पहले यह ऑर्डर भेज देना है.

बहराइच में मारे गए रामगोपाल मिश्रा के परिजनों से मिले सीएम योगी

बहराइच, 15 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच हिंसा में मारे गए रामगोपाल मिश्रा के परिजनों से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान योगी ने साफ तौर पर स्पष्ट किया कि दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा। इस दौरान रामगोपाल के पिता, मां और पत्नी उपस्थित थे। योगी ने एक्स पर लिखा कि जनपद बहराइच की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में काल-कवलित हुए युवक के शोक संतप्त परिजनों से आज लखनऊ में भेंट की। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से

पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

योगी ने आगे लिखा कि आश्वस्त रहें, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इस घोर निंदनीय और अक्षम्य घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मंसूर गांव के महराजगंज बाजार में सांप्रदायिक झड़प के दौरान 22 वर्षीय राम गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के लिए एक जुलूस इलाके से गुजर रहा था। इससे पहले संकटग्रस्त महसी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री मृतक के परिजनों से मिलेंगे और उन्होंने पथराव और गोलीबारी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कसम खाई है।

विधायक ने यह भी कहा कि हिंसा के मद्देनजर थाना प्रभारी सुरेश कुमार वर्मा और स्थानीय पुलिस चौकी के प्रभारी को रविवार रात निलंबित कर दिया गया। इस बीच, मिश्रा के परिवार ने राम गोपाल की मौत के लिए पुलिस की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है।

गरीबी के शर्म के कलंक को धोना होगा

-ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस- 17 अक्टूबर, 2024 पर विशेष

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हर साल 17 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरूआत 17 अक्टूबर, 1987 को हुई थी। उस दिन, पेरिस के ट्रोकाडेरो में एक लाख से ज्यादा लोग इकट्ठा हुए थे। इस दिन को मनाने का मकसद, अत्यधिक गरीबी, हिंसा, और भूख से पीड़ित लोगों को सम्मानित जीवन उपलब्ध कराना है। इस दिवस की 2024 की थीम है, ह्यसामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना, न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समावेशी समाज के लिए मिलकर कार्य करना। यह दिन गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर जोर देता है। इस दिवस का मकसद गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनना, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करना और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर देना भी है। जो गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है। गरीबी को खत्म करना सिर्फ. गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2022 के अंत तक विश्व की 8.4 प्रतिशत जनसंख्या, या लगभग 670 मिलियन लोग, अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे। अनुमान है कि वैश्विक जनसंख्या का लगभग 7 प्रतिशत लगभग 575 मिलियन लोग 2030 तक भी अत्यधिक गरीबी में फंसे रह सकते हैं।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत दस वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत में कुल 23 करोड़ गरीब हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नए विचारों एवं कल्याणकारी योजनाओं पर विमर्श के साथ गरीबों के लिये आर्थिक स्वावलम्बन-स्वरोजगार की आज देश को सख्त जरूरत है। गरीबों को मुफ्त की रेवड़िया बांटने एवं उनके वोट बटोरने की स्वार्थी राजनीतिक मानसिकता से उपरत होकर ही गरीबमुक्त संतुलित समाज संरचना की जा सकती है। गरीबी पहले भी अभिशाप थी लेकिन अब यह संकट और गहराया है। गरीबी केवल भारत की ही नहीं, बल्कि दुनिया

की एक बड़ी समस्या है। गरीबी एक गंभीर बीमारी है, किसी भी देश के लिए गरीबी एक बदनुमा दाग है। जब किसी राष्ट्र के लोगों को रहने को मकान, जीवन निर्वाह के लिये जरूरी भोजन, कपड़े, दवाइयां आदि जैसी चीजों की कमी महसूस होती है, तो वह राष्ट्र गरीब राष्ट्र की श्रेणी में आता है। इस गरीबी से मुक्ति के लिये सरकारें व्यापक प्रयत्न करती हैं। हम जिन रास्तों पर चल कर एवं जिन योजनाओं को लागू करते हुए देश में समतामूलक संतुलित समाज निर्माण की आशा करते हैं वे योजनाएं विषम और विषभरी होने के कारण सभी कुछ अभिनय लगता है, छलावा लगता है, भ्रम एवं फरेब लगता है। सब नकली, धोखा, गोलमाल, विषमताभरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोक राज्य, स्वराज्य, सुराज्य, रामराज्य का सुनहरा स्वप्न ऐसी नींव पर कैसे साकार होगा? क्योंकि यहां तो सारे राजनीति दल एवं लोकतंत्र को हांकने वाले सब अपना-अपना साम्राज्य खड़ा करने में लगे हैं। विश्व की सारी संपदा, सारे संसाधन गरीबी को मिटाने में लगते तो आज स्थिति बहुत भिन्न होती, किन्तु बीच में सत्ता की लालसा एवं विश्व पर साम्राज्य स्थापित करने की महत्वाकांक्षाओं ने व्यवधान खड़े कर दिये। इसी कारण जो संपदा है, वह मानव को सुखी, संतुलित या सामान्य बनाने की दिशा में नहीं लगी, संहारक अस्त्रों के निर्माण, आतंकवाद एवं युद्ध की मानसिकता में लगी। एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को भयभीत रखने में अपनी ऊर्जा खपा रहा है, न कि गरीब इंसान की गरीबी दूर करने में।

आज का भौतिक दिमाग कहता है कि घर के बाहर और घर के अन्दर जो है, बस वही जीवन है। लेकिन राजनीतिक दिमाग मानता है कि जहां भी गरीब है, वही राजनीति के लिये जीवन है, क्योंकि राजनीति को उसी से जीवन ऊर्जा मिलती है। यही कारण है कि इस देश में सत्तर साल के बाद भी गरीबी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है, जितनी गरीबी बढ़ती है उतनी ही राजनीतिक जमीन मजबूती होती है। क्योंकि सत्ता पर काबिज होने का मार्ग गरीबी के रास्ते से ही आता है। बहुत बड़ी योजनाएं इसी गरीबी को खत्म करने के लिये बनती रही हैं और आज भी बन रही हैं। लेकिन गरीब खत्म होते गये और गरीबी आज भी कायम है। सरकारी योजनाओं की विसंगतियां ही है कि गांवों में जीवन ठहर गया है। बीमार, अशिक्षित, विपन्न मनुष्य मानो अपने को ढो रहा है। कह तो सभी यही रहे हैं--बाकी सब झूठ है, सच केवल रोटी है। रोटी केवल शब्द नहीं है, बल्कि बहुत बड़ी परिभाषा समेटे हुए है अपने भीतर। जिसे आज का मनुष्य अपनी सुविधानुसार परिभाषित कर लेता है। रोटी कह रही है-मैं महंगी हूं तू सस्ता है। यह मनुष्य का घोर अपमान है। रोटी कीमती, जीवन सस्ता। मनुष्य सस्ता, मनुष्यता सस्ती। और इस तरह गरीब को अपमानित किया जा रहा है, यह सबसे बड़ा खतरा है। गरीब यानी जिसके पास धन उसकी जरूरत से कम हो या जो दो वक्त की रोटी की जुगाड़ नहीं कर सकता। जो अपनी बूढ़ी मां का इलाज नहीं करवा सकता। जो अपने बच्चों की फीस नहीं भरवा सकता। गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए सर्वोदय की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। गरीबी हटाओ में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

हिंदुओं के त्योहार पर ही क्यों फैलती हैं अराजकता और हिंसा

-संजय सक्सेना

यह हिन्दुस्तान का दुर्भाग्य है कि यहां की बहुसंख्यक आबादी को अपने तीज-त्योहार मनाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हिन्दुओं के द्वारा कोई भी धार्मिक आयोजन किया जाता है उस पर मुस्लिम कट्टरपंथियों का साया पड़ जाता है। हिन्दू जब भी कावड़ यात्रा निकाले, माता का जागरण कराये, मूर्ति विसर्जन को जाये या इसी तरह के अन्य कोई आयोजन करे तो मुस्लिम कट्टरपंथी कहीं उस पर पथराव करने लगते हैं तो कहीं रास्ता रोक कर खड़े हो जाते हैं। उनके इस कृत्य का विरोध होता है तो यह लोग तलवारें भांजने लगते हैं। आगजनी और पेट्रोल बम तो आम बात हो गई है, लेकिन पेट्रोल बम फोड़ने वाले तब जरूर आहत हो जाते हैं जब उन्हें कहीं पटाखों की आवाज सुनाई पड़ जाती है।

हालात यह है कि हिन्दुओं के छोटे से छोटे धार्मिक आयोजन भी बिना पुलिस की सुरक्षा के घेरे के पूर्ण नहीं हो पाते हैं। हिन्दुओं के देवी-देवताओं को कभी कला के तो कभी अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अपमानित किया जाता है। न जाने क्यों पांच टाइम लाउडस्पीकर पर चीखने चिल्लाने वालों को हिन्दुओं के धार्मिक आयोजनों में बजने वाला डीजे बेचैन क्यों कर देता है। इसी तरह से होली के रंग-गुलाल भी एक वर्ग विशेष के चंद कट्टरपंथियों के चलते साम्प्रदायिक हो जाता है। ऐसा नहीं है कि यह कट्टरपंथी तभी भड़कते हों जब हिन्दुओं के द्वारा अपना कोई धार्मिक जुलूस आदि सड़क पर निकाला जाता हो, हद तो तब हो जाती है जब हिन्दुओं के लिये अपने घरों में पूजा करना भी लड़ाई-झगड़े की वजह बन जाता है। गरबा या दुर्गा पूजा के पंडालो तक में यह मुस्लिम चरमपंथी पहुंच कर माहौल खराब करने से नहीं हिचकते हैं। इतना हीं कई बार तो इन अराजक तत्वों को वोट बैंक की राजनीतिक करने वाले नेताओं और पार्टियों का राजनैतिक संरक्षण भी मिल जाता है। यदि ऐसा न होता तो बहराइच में बेरहमी से मारे गये रामगोपाल मिश्र की हत्या पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव एक्स पर वह कथित वीडियो नहीं पोस्ट करते जिसमें रामगोपाल मिश्रा एक मुस्लिम परिवार के घर से हरा झंडा उतार कर भगवा झंडा लगाते हुए दिखाई दे रहा है। अखिलेश इस वीडियों के सहारे रामगोपाल मिश्रा को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं, जबकि इसका कानूनी पहलू यह है कि यदि रामगोपाल मिश्रा ने हरा झंडा उतार कर वहां भगवा झंडा फहरा भी दिया था तो हत्यारों को उसका कत्ल करने की छूट नहीं मिल जाती है। रामगोपाल मिश्र को मारा ही नहीं गया, उसके साथ हत्यारों ने वहशीपन दिखाते हुए रामगोपाल के नाखून तक बेरहमी के साथ नोंच लिये थे।

ज्यादा पीछे न भी जाया जाये तो हाल फिलहाल में ही इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गा पूजा और हिन्दुओं को निशाना बनाया है। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने कहीं पंडाल पर पथराव किया गया तो कहीं मूर्ति विसर्जन के जुलूस पर हमला हुआ, जुलूस के रास्तों को लेकर भी विवाद हुआ। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल और असम तक पथराव और हिंसा हुई है। यह हिंसा हिन्दुओं के त्योहार नवरात्र के साथ ही चालू हो गई थी। हावड़ा के श्यामगंज में 13 अक्टूबर, 2024 को एक मुस्लिम भीड़ ने हिन्दू पंडालों पर हमला किया। मुस्लिम भीड़ ने दुर्गा पूजा पंडालों को नष्ट करना चालू कर दिया। उन्होंने मूर्तियों को आग लगा दी और कई पंडालों को तबाह किया। यह मुस्लिम भीड़ उस घाट पर भी पहुँची जहाँ देवी मूर्तियों का विसर्जन होना था। यहाँ इस भीड़ ने पथराव किया।

बात विशेषकर उत्तर प्रदेश की कि जाये तो यहां के कौशांबी जिले में माँ दुर्गा के विसर्जन जुलूस पर हमला हुआ। इस हमले में जुलूस में शामिल महिला श्रद्धालुओं को भी निशाना बनाया गया। हमले के दौरान तलवारें लहराई गईं और पत्थरबाजी हुई। घटना में कई श्रद्धालुओं को चोटें आई। 12 अक्टूबर, 2024 को हुए इस हमले का आरोप मुस्लिम समुदाय के लगभग एक दर्जन लोगों पर लगा है जिसमें खातूनें भी शामिल हैं। माँ दुर्गा की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया और एक महिला से दुष्कर्म की भी कोशिश हुई। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। इसी तरह से बलरामपुर में दुर्गा पूजा के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों ने पंडाल में घुसकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। आरोपितों में कलीम, अरबाज, इमरान और मुख़्तार शामिल थे, जिन्होंने महिला श्रद्धालुओं से अभद्रता की और पंडाल में लगे भगवा ध्वज को नोचकर नाली में फेंक दिया। महिलाओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जिला गोंडा के मसकनवा बाजार इलाके में 9 अक्टूबर, 2024 को दुर्गा पूजा पंडाल में मूर्ति स्थापित करने के बाद देवी की आँखों पर से पट्टी हटाई गई थी। इस मूर्ति की स्थापना बीते कई सालों से की जाती है। इस मौके पर यहाँ बड़ी संख्या में हिन्दू इकट्ठा थे।पूजा अर्चना के बाद कुछ हिन्दू बच्चे इस पंडाल के बाहर पटाखे फोड़ने लगे। पटाखों की आवाज सुन कर पास में रहने वाले मुस्लिम भड़क गए। मुस्लिम परिवार के लोग बाहर निकल कर हिन्दुओं को गालियाँ देने लगे और हमलावर हो गए। उन्होंने पहले हिन्दुओं पर पथराव किया और फिर लाठी डंडों से हमला कर दिया। उधर, कुशीनगर में एक और गंभीर घटना सामने आई, जब दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कट्टरपंथियों ने मूर्ति पर पथराव किया। इस घटना में 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए आरोपितों को गिरफ्तार किया और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी। हिंदू समुदाय ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग की। अब बहराइच की हिंसा इसका नया उदाहरण है जहां मूर्ति विसर्जन के लिये जा रहे एक व्यक्ति को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। यह जानकारी उन्हीं घटनाओं की है, जो मीडिया में सामने आई हैं या जिनकी जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हुई। बढ़ते इस्लामी कट्टरपंथ को देखते हुए कहा जा सकता है कि कई घटनाएँ संभवतः बाकी शोर शराबे में दब गई होंगी।

कुल मिलाकर कट्टरपंथियों की जेहादी सोच के कारण पिछले कुछ वर्षों से शोभा यात्राओं या फिर प्रतिमा विसर्जन यात्राओं का शांतिपूर्ण माहौल में निकलना कठिन होता जा रहा है। इन धार्मिक यात्राओं पर पत्थरबाजी कई बार दंगों का रूप धारण कर लेती है, जैसा कि बहराइच में हुआ। यहां दुर्गा पूजा विसर्जन यात्रा पर घरों की छतों से पथराव हुआ। एक सतानती की हत्या कर दी गई और उसके बाद क्षेत्र में हिंसा भड़क उठी। प्रश्न यह है कि जब यह सब हो रहा था, तब पुलिस कहां थी? पुलिस की अकर्मण्यता की वजह से ही दूसरे दिन युवक के अंतिम संस्कार को पहले फिर हिंसा भड़क उठी और उग्र लोगों ने कई घरों में तोड़फोड़ की और दुकानें जला दीं। यह ठीक है कि वरिष्ठ अधिकारियों के पहुंचने के बाद हिंसा पर काबू पर लिया गया, लेकिन अहम प्रश्न यह है कि क्या सद्भाव के माहौल की वापसी हो सकेगी और उन तत्वों को सबक सिखाने वाली ठोस कार्रवाई हो सकेगी, जिनके कारण हिंसा का सिलसिला कायम हुआ?

सबसे दुखद यह है कि इस तरह की किसी भी घटना के बाद कुछ लोग सवाल खड़े करने लगते हैं कि अमुक क्षेत्र से यात्रा निकाली ही क्यो गई। किसी भी क्षेत्र को हिंदू- मुस्लिम क्षेत्र के रूप में परिभाषित करना क्या उचित है। दरअसल, हिंदू मुस्लिम क्षेत्र की बातें ही विभाजनकारी और शरारत भरा एजेंडा हैं। ऐसे एजेंडे आम तौर पर वोट बैंक की राजनीति के तहत चलाए जाते हैं। इस एजेंडे की काट के साथ यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए किसी भी समुदाय के धार्मिक आयोजन हिंसक तत्वों को शिकार न बनने पाएं । राज्य सरकार को धार्मिक आयोजनों को निशाना बनाने वाले तत्वों के खिलाफ कड़े कदम उठाकर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए ताकि फिर बहराइच, कौशांबी और गोंडा जैसी घटनाएं न हों।ऐसी घटनाओं से माहौल तो खराब होता ही है सरकारी सम्पति को भी काफी नुकसान पहुंचता है।

बहरहाल, बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगोपाल मिश्र की नृशंस हत्या पर विश्व हिंदू परिषद ने आक्रोश व्यक्त किया है। परिषद ने कहा कि पूरे देश में यह ट्रेंड चल पड़ है। कभी शोभायात्रा पर कभी, गरबा पंडाल में , कभी गणेश पूजन पर हमला हो रहा है। हर त्योहार तनाव से गुजर रहा है, जिसे हिंदू समाज स्वीकार नहीं करेगा।

विवाह की बढ़ती उम्र पर खामोशी क्यों?

28-32 साल की युवक युवतियां बैठे है कुंवारे, फिर मौन क्यों हैं समाज के कर्ता-धर्ता

कुंवारे बैठे लड़के लड़कियों की एक गंभीर समस्या आज सामान्य रुप से सभी समाजों में उभर के सामने आ रही है। इसमें उम्र तो एक कारण है ही मगर समस्या अब इससे भी कहीं आगे बढ़ गई है। क्योंकि 30 से 35 साल तक की लड़कियां भी कुंवारी बैठी हुई है। इससे स्पष्ट है कि इस समस्या का उम्र ही एकमात्र कारण नहीं बचा है। ऐसे में लड़के लड़कियों के जवां होते सपनों पर न तो किसी समाज के कर्ता-धतोओं की नजर है और न ही किसी रिश्तेदार और सगे संबंधियों की। हमारी सोच कि हमें क्या मतलब है इसी में उलझ कर रह गई है। बेशक यह सच किसी को कड़वा लग सकता है लेकिन हर समाज की हकीकत यही है। 25 वर्ष के बाद लड़कियां ससुराल के माहौल में ढल नहीं पाती है, क्योंकि उनकी आदतें पक्की और मजबूत हो जाती हैं, अब उन्हें मोड़ा या झुकाया नहीं जा सकता। जिस कारण घर में बहस, वाद विवाद, तलाक होता हैं। बच्चे सिजेरियन ऑपरेशन से होते हैं जिस कारण बाद में बहुत सी बिमारी का सामना करना पड़ता है।

शादी के लिए लड़की की उम्र 18 साल व लड़के की उम्र 21 साल होनी चाहिए ये तो अब बस आंकड़ों में ही रह गया है। एक समय था जब संयुक्त परिवार के चलते सभी परिजन अपने ही किसी रिश्तेदार व परिचितों से शादी संबंध बालिग होते ही करा देते थे। मगर बढ़ते एकल परिवारों ने इस परेशानी को और गंभीर बना दिया है। अब तो स्थिति ऐसी हो गई है कि एकल परिवार प्रथा ने आपसी प्रेम व्यवहार ही खत्म सा कर दिया है। अब तो शादी के लिए जांच पड़ताल में और कोई तो नेगेटिव करें या न करें अपनी ही खास सगे संबंधी नेगेटिव कर बनते संबंध खराब कर देते है।

उच्च शिक्षा और हाई जॉब बढ़ा रही उम्रः

यूं तो शिक्षा शुरू से ही मूल आवश्यकता रही है लेकिन पिछले डेढ़ दो दशक से इसका स्थान उच्च शिक्षा या कहे कि खाने कमाने वाली डिग्री ने ले लिया है। इसकी पूर्ति के लिए अमूमन लड़के की उम्र 23-24 या अधिक हो जाती है। इसके दो-तीन साल तक जॉब करते रहने या बिजनेस करते रहने पर उसके संबंध की बात आती है। जाहिर से इतना होते-होते लड़के की उम्र तकरीबन 30 के इर्द -गिर्द हो जाती है। इतने तक रिश्ता हो गया तो ठीक, नहीं तो लोगों की नजर तक बदल जाती है। यानि 50 सवाल खड़े हो जाते है।

चिंता देता है उम्र का यह पड़ावः

प्रकृति के हिसाब से 30 प्लस का पड़ाव चिंता देने वाला है। न केवल लड़के-लड़की को बल्कि उसके माता-पिता, भाई-बहन, घर-परिवार और सगे संबंधियों को भी। सभी तरफ से प्रयास भी किए, बात भी जंच गई लेकिन हर संभव कोशिश के बाद भी रिश्ता न बैठने पर उनकी चिंता और बढ़ जाती है। इतना ही नहीं, शंका-समाधान के लिए मंदिरों तक गए, पूजा-पाठ भी कराए, नामी विशेषज्ञों ने जो बताए वे तमाम उपाय भी कर लिए पर बात नहीं बनी। मेट्रीमोनी वेबसाइट्स व वाट्सअप पर चलते बायोडेटा की गणित इसमें कारगार होते नहीं दिखाई देते। बिना किसी मीडिएटर के संबंध होना मुश्किल ही होता है। मगर कोई मीडिएटर बनना चाहता ही नहीं है। मगर इन्हें कौन समझाए की जब हम किसी के मीडिएटर नहीं बनेंगे तो हमारा भी कोई नहीं बनेगा। एक समस्या ये भी हम पैदा करते जा रहे है कि हम सामाजिक न होकर एकांतवादी बनते जा रहे है।

आखिर कहां जाए युवा मनः

अपने मन को समझाते-बुझाते युवा आखिर कब तक भाग्य भरोसे रहेगा। अपनों से तिरस्कृत और मन से परेशान युवा सब कुछ होते हुए भी अपने को ठगा सा महसूस करता है। हद तो तब हो जाती है जब किसी समारोह में सब मिलते हैं और एक दूसरे से घुल मिलकर बात करते हैं लेकिन उस वक्त उस युवा पर क्या बीतती है, यह वही जानता है। ऐसे में कई बार नहीं चाहते हुए भी वह उधर कदम बढ़ाने को मजबूर हो जाता है जहां शायद कोई सभ्य पुरूष जाने की भी नहीं सोचता या फिर ऐसी संगत में बैठता है जो बदनाम ही करती हो।

ख्वाहिशें अपार, अरमान हजारः

हर लड़की और उसके पिता की ख्वाहिश से आप और हम अच्छी तरह परिचित हैं। पुत्री के बनने वाले जीवनसाथी का खुद का घर हो, कार हो, परिवार की जिम्मेदारी न हो, घूमने-फिरने और आज से युग के हिसाब से शौक रखता हो और कमाई इतनी तगड़ी हो कि सारे सपने पूरे हो जाएं, तो ही बात बन सकती है। हालांकि सभी की अरमान ऐसे नहीं होते लेकिन चाहत सबकी यही है। शायद हर लड़की वाला यह नहीं सोचता कि उसका भी लड़का है तो क्या मेरा पुत्र किसी ओर के लिए यह सब पूरा करने में सक्षम है। यानि एक गरीब बाप भी अपनी बेटी की शादी एक अमीर लड़के से करना चाहता है और अमीर लड़की का बाप तो अमीर से करेगा ही। ऐसे में सामान्य परिवार के लड़के का क्या होगा? यह एक चिंतनीय विषय सभी के सामने आ खड़ा हुआ है। संबंध करते वक्त एक दूसरे का व्यक्तिव व परिवार देखना चाहिए ना कि पैसा। कई ऐसे रिश्ते भी हमारे सामने है कि जब शादी की तो लड़का आर्थिक रूप से सामान्य ही था मगर शादी बाद वह आर्थिक रूप से बहुत मजबूत हो गया। ऐसे भी मामले सामने आते है कि शादी के वक्त लड़का बहुत अमीर था और अब स्थिति सामान्य रह गई। इसलिए लक्ष्मी तो आती जाती है ये तो नसीबों का खेल मात्र है।

क्यों नहीं सोचता समाजः-

समाजसेवा करने वाले लोग आज अपना नाम कमाने के लिए लाखों रुपए खर्च करने से नहीं चूकते लेकिन बिडम्बना है कि हर समाज में बढ़ रही युवाओं की विवाह की उम्र पर कोई चर्चा करने की व इस पर कार्य योजना बनाने की फुर्सत किसी को नहीं है। कहने को हर समाज की अनेक संस्थाएं हैं वे भी इस गहन बिन्दु पर चिंतित नजर नहीं आती।

पहल तो करेंः

हो सकता है इस मुद्दे पर समाज में पहले कभी चर्चा हुई हो लेकिन उसका ठोस समाधान अभी नजर नहीं आता। तो क्यों नहीं बीड़ा उठाएं कि एक मंच पर आकर ऐसे लड़कों व लड़कियों को लाएं जो बढ़ती उम्र में हैं और समझाइश से उनका रिश्ता कहीं करवाने की पहल करें। यह प्रयास छोटे स्तर से ही शुरू हो। रोशन भारत का हर समाज के नेतृत्वकताओं से अनुरोध है कि वे इस गंभीर समस्या पर चर्चा करें और एक ऐसा रास्ता तैयार करें जो युवाओं को भटकाव के रास्ते से रोककर विकास के मार्ग पर ले जा सकें। स्वार्थ न समझकर परोपकार समझ कर सहयोग करें।

-राज कुमार सोनी माहौर

दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में क्यों होते है सिग्नल फेल?

-प्रियंका सौरभ

आखिर क्यों बार-बार पटरी से उतर रही भारतीय रेल? कहीं ये बड़े कारण तो नहीं

भारत का रेलवे बुनियादी ढांचा विशाल लेकिन पुराना है, जिससे विभिन्न कमियों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। हाल ही में सिग्नल की विफलता के कारण मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस चेन्नई के पास एक स्थिर मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे मजबूत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश पड़ा। दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक होने के बावजूद, इस तरह की घटनाएँ ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आधुनिकीकरण की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। ट्रेन में सुरक्षित सफर को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। ट्रेन में यात्रा करने वाले लोग अपनी मंज़िल तक सुरक्षित पहुँचेंगे या नहीं, हीं ट्रेन हादसे का शिकार तो नहीं हो जाएगी।

दरअसल, भारतीय रेलवे से हर दिन एक लाख किमी से अधिक फैले देशव्यापी ट्रेक नेटवर्क पर करीब ढाई करोड़ यात्रियों को अपने गंतव्य स्थान तक पहुँचाती है। साल 2019-20 के लिए एक सरकारी रेलवे सुरक्षा रिपोर्ट में पाया गया है कि 70 फीसदी रेलवे दुर्घटनाओं के लिए उनका पटरी से उतरना ज़िम्मेदार था, जो पिछले वर्ष 68 फीसदी से अधिक था। इसके बाद ट्रेन में आग लगने और टक्कर लगने के मामले आते हैं, जो कुल दुर्घटनाओं में क्रमशः 14 और आठ फीसदी के लिए ज़िम्मेदार हैं। इस रिपोर्ट में साल 2019-20 के दौरान 33 यात्री ट्रेनों और सात मालगाड़ियों से सम्बंधित 40 पटरी से उतरने की घटनाएँ गिनाई गईं। इनमें से 17 पटरी से उतरने की घटनाएँ ट्रैक खराबियों के कारण हुईं। जबकि नौ घटनाएँ ट्रेनों, इंजन, कोच, वैगन में खराबी के कारण हुईं है।

ट्रेनों का पटरी से उतरना रेलवे के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। एक ट्रेन कई कारणों से पटरी से उतर सकती है। ट्रैक का रखरखाव खराब हो सकता है, कोच खराब हो सकते हैं और गाड़ी चलाने में गलती हो सकती है। ट्रेन हादसों को रोकने के लिए ट्रेन की पटरियों का मरम्मत कार्य होते रहना बहुत जरूरी है। धातु से बनी रेलवे पटरियाँ गर्मी के महीनों में फैलती हैं और सर्दियों में तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण सिकुड़ती है। ऐसे में इन्हें नियमित रखरखाव की जरूरत होती है। जरा-सी लापरवाही बड़े हादसे की वजह बन सकती है। ढीले ट्रैक को कसना, स्लीपर बदलना और अन्य चीजों के अलावा, चिकनाई और समायोजन स्विच। इस तरह का ट्रैक निरीक्षण पैदल, ट्रॉली, लोकोमोटिव और अन्य वाहनों द्वारा किया जाता है। बुनियादी ढाँचे की कमियाँ दुर्घटनाओं में योगदान दे रही हैं, कई वर्ग अभी भी मैन्युअल सिग्नलिंग पर भरोसा करते हैं, जिससे मानवीय त्रुटि का खतरा बढ़ जाता है, जो दुर्घटनाओं का एक महत्त्वपूर्ण कारक है। 2024 मैसूर-दरभंगा टक्कर सिग्नलिंग विफलता के कारण हुई, जिसके कारण ट्रेन को गलत ट्रैक पर ले जाया गया। दिल्ली-कोलकाता जैसे मार्गों पर भारी भीड़भाड़ होती है, जिससे अक्सर देरी होती है और नेटवर्क पर बढ़ते दबाव के कारण सुरक्षा से समझौता होता है।

> **कवच जैसे एटीपी सिस्टम की अनुपस्थिति से ओवरस्पीडिंग या सिग्नल उल्लंघनों के कारण होने वाली टक्करों को रोकना मुश्किल हो जाता है। पुरानी पटरियाँ, खराब रखरखाव कार्यक्रम के साथ मिलकर, अक्सर पटरी से उतरने और दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। 2017 कलिंग उत्कल एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना का कारण ट्रैक की खराब स्थिति को बताया गया था। अत्यधिक काम करने वाले कर्मचारी, विशेष रूप से लोकोमोटिव पायलट, अक्सर तनावपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं, जिससे त्रुटियाँ होती हैं।**

कवच जैसे एटीपी सिस्टम की अनुपस्थिति से ओवरस्पीडिंग या सिग्नल उल्लंघनों के कारण होने वाली टक्करों को रोकना मुश्किल हो जाता है। पुरानी पटरियाँ, खराब रखरखाव कार्यक्रम के साथ मिलकर, अक्सर पटरी से उतरने और दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। 2017 कलिंग उत्कल एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना का कारण ट्रैक की खराब स्थिति को बताया गया था। अत्यधिक काम करने वाले कर्मचारी, विशेष रूप से लोकोमोटिव पायलट, अक्सर तनावपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं, जिससे त्रुटियाँ होती हैं।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की 2021 की रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी सीधे सुरक्षा को प्रभावित करती है। कई भारतीय रेलगाड़ियाँ पुराने कोचों का उपयोग करती हैं, जिनमें क्रैशवर्थी डिजाइन जैसी आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं का अभाव होता है। 2023 ओडिशा दुर्घटना में पुराने आईसीएफ कोच शामिल थे, जो आधुनिक एलएचबी कोचों की तुलना में कम प्रभाव-प्रतिरोधी थे। मजबूत आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की कमी दुर्घटना होने पर क्षति को बढ़ा देती है। 2023 बालासोर दुर्घटना में मलबा हटाने में 6 घंटे से अधिक का समय लगा, जिससे महत्त्वपूर्ण बचाव कार्यों में देरी हुई।

इन कमियों को दूर करने में 'कवच' प्रणाली की भूमिका बहुत ही अहम है, कवच प्रणाली लाल सिग्नल पार करने पर ट्रेनों को स्वचालित रूप से रोक देती है, जिससे खतरनाक टकराव को रोका जा सकता है। रेल मंत्रालय ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्गों पर कवच लागू किया, जिसके परिणामस्वरूप घटनाओं में कमी आई। कवच यह पता लगाता है कि दो ट्रेनें एक ही ट्रैक पर हैं और टक्कर को रोकने के लिए स्वचालित रूप से ब्रेक लगाती है। परीक्षण के दौरान सिस्टम ने संभावित दुर्घटनाओं को सफलतापूर्वक टाल दिया दक्षिण-मध्य रेलवे नेटवर्क पर कवच सुनिश्चित करता है कि ट्रेनें गति सीमा से अधिक न चलें, महत्त्वपूर्ण कार्यों को स्वचालित करके, कवच लोकोमोटिव पायलटों पर कार्यभार कम करता है, मानवीय त्रुटियों को कम करता है। परीक्षणों से पता चला है कि कवच-संरक्षित ट्रेनों का उपयोग करने वाले पायलटों के बीच थकान सम्बंधी त्रुटियों में 50% की कमी आई है। कवच का एकीकरण कई बुनियादी ढांचे की चुनौतियों का समाधान करते हुए अधिक डिजिटलीकृत और स्वचालित रेलवे प्रणाली की ओर बदलाव का संकेत देता है। राष्ट्रीय रेल योजना 2030 में कवच को 34, 000 किमी के उच्च-घनत्व वाले मार्गों पर विस्तारित करने की परिकल्पना की गई है। इस प्रणाली को वार्षिक रेलवे पूंजीगत व्यय के 2% पर लागू किया जा सकता है, जो नेटवर्क को आधुनिक बनाने के लिए एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करता है।

2024 के रेलवे बजट में ?1, 112.57 करोड़ आवंटित किए गए हैं प्रमुख रेलवे गलियारों में कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली का विस्तार करने के लिए, ट्रेन स्थानों पर वास्तविक समय डेटा प्रदान करके, कवच दुर्घटनाओं के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया की सुविधा प्रदान करता है, जिससे सुरक्षा परिणामों में सुधार होता है। कवच कार्यान्वयन के बाद, बेंगलुरु-चेन्नई मार्ग पर आपातकालीन प्रतिक्रिया समय कम हो गया है। ट्रेन के पटरी से उतरने की एक वजह नहीं, बल्कि कई वजहें हैं। सबसे मुख्य कारण रेलवे ट्रैक पर मैकेनिकल फॉल्ट यानी रेलवे ट्रैक पर लगने वाले उपकरण का खराब हो जाने को माना जाता है। इसके अलावा ये हादसे उस वक़्त होते हैं, जब पटरियों पर दरार पड़ जाती हैं। वहीं, ट्रेन के डिब्बों को बाँध कर रखने वाले उपकरण का ढीला होना भी इसका एक कारण हो सकता है। इसके अलावा एक्सेल जिस पर ट्रेन की बोगी रखी होती है, उसका टूटना भी ट्रेन के डिरेल होने की एक संभावित वजह हो सकता है। लगातार चलते रहने के कारण ट्रेन की पटरियों से पहियों का घिस जाना भी ट्रेन के पटरी से उतरने की वजह हो सकता है। गर्मी के मौसम में पटरियों के स्ट्रक्चर में कई बार बदलाव आ जाता है। इसके अलावा तेज चलती ट्रेन को तेज स्पीड से मोड़ना या फिर ब्रेक लगा देना भी ट्रेन के पटरी छोड़ने की वजह हो सकता है।

इसे रोकने का एक ही तरीका है मरम्मत कार्य चलता रहे। थोड़ी भी गड़बड़ी नजर आने पर उसे तुरंत ठीक किया जाए। जबकि भारतीय रेलवे को महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचागत कमियों का सामना करना पड़ता है, कवच प्रणाली सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए एक परिवर्तनकारी समाधान प्रदान करती है। सिग्नलिंग प्रणालियों को आधुनिक बनाकर, टकरावों को रोककर और ट्रेन परिचालन में सुधार करके, कवच उन कई कमियों को दूर कर सकता है जो दुर्घटनाओं में योगदान करती हैं। भारत में सुरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इसके कार्यान्वयन को पूरे नेटवर्क में विस्तारित करना महत्त्वपूर्ण है।

गोविंद भाई परमार की मेहनत रंग लाई, लंबे अरसे के बाद सफाई कामगारों के वारिसदारों को मिला न्याय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार के अथक प्रयासों से गत दिनों महाराष्ट्र सरकार की ओर से सफाई कामगारों के वारिसदारों के अधिकारों के लिए लाड पागे समिति के निर्णय को 1975 से लागू किया गया। सरकार द्वारा लाड पागे समिति के निर्णय को महाराष्ट्र सरकार द्वारा लागू किए जाने की खुशी में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

बता दें कि लंबे अरसे से सफाई कामगारों के वारिसदारों को उनका अधिकार नहीं मिल पा रहा था। जबकि अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन (६०) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार की ओर से सफाई कामगारों के वारिसदारों को न्याय दिलाने के लिए मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल और आंदोलन की चेतावनी दी गई। इसके अलावा मंत्रालय में संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक भी की गई। अंततः में महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक न्याय विभाग की अवर सचिव सुनीता गायकवाड़ द्वारा एक परिपत्रक निकालकर 24 फरवरी 2023 से लाड पागे समिति की सिफारिश को लागू कर दिया गया। लाड पागे समिति की सिफारिशें लागू किए जाने से सफाई कामगारों में खुशियां व्याप्त हो गई है ।लाड पागे समिति की सिफारिश को लागू कराने के लिए लंबे समय से प्रयासरत अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार को सफाई कामगारों द्वारा बधाई व शुभकामनाएं दी जा रही है।

दादर में एवीपी नायर समाज आयुर्वेदिक केंद्र शुरू

मुंबई। प्राचीन परंपराओं और आधुनिकता दोनों को गले लगाने वाली मुंबई में एक संस्थान ने उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। 1940 के दशक से आयुर्वेदिक उत्कृष्टता के लिए नवाजे जाने वाले आर्य वैद्य फामेसी लिमिटेड (एवीपी), ने दादर ईस्ट में नया, फिर से बनाया हुआ एवीपी नायर समाज आयुर्वेदिक केंद्र शुरू किया है।इस केंद्र ने पांच दशकों से अधिक समय तक समुदाय की सेवा की है, समग्र उपचार की अपनी विरासत को जारी रखा है, इसे अब उन्नत बुनियादी सुविधाओं और अत्याधुनिक उपचारों के साथ और भी बेहतर बनाया गया है। एवीपी के कार्यकारी निदेशक श्री कृष्णदास आर वारियर ने बताया, ₹हम वास्तव में 'आयुर्वेद के माध्यम से जीवन को छूने' में विश्वास करते हैं, इस नवीकरण का मूल भी यही है। हम एवीपी नायर समाज आयुर्वेदिक सेंटर को फिर से शुरू कर रहे हैं, मुंबई के लोगों को व्यक्तिगत आयुर्वेदिक देखभाल प्रदान करना जारी रखते हुए हम बहुत खुश हैं। हमें गर्व है कि पीढ़ियों से चली आ रही कालातीत परंपराओं और ज्ञान का सम्मान कर रहे हैं, हम लोगों की सेवा करते हैं, उनके जीवन में वास्तविक सुधार लाते हैं।

मामाअर्थ ने टियर 3 शहरों और कस्बों तक विस्तार करने के लिए मीशो के साथ की साझेदारी

मुंबई/पटना। भारत के सबसे तेजी से विकसित होते हुए पर्सनल केयर ब्रांड्स में से एक, मामाअर्थ ने मीशो के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता के उत्पाद दूरदराज के इलाकों तक पहुँच सकेंगे जिससे उभरते हुए क्षेत्रों में ब्रांड की वृद्धि में मदद मिलेगी। टियर 3 शहर और कस्बे ई-कॉमर्स की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसलिए मामाअर्थ ने इन छोटे और अर्द्धशहरी इलाकों में प्रीमियम, प्राकृतिक और टॉक्सिन-फ्री पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मीशो के विशाल नेटवर्क का सहयोग लिया है। यह नए बाजारों में पहुँचने और क्षेत्रीय इलाकों में राजस्व वृद्धि करने की मामाअर्थ की रणनीति का हिस्सा है, जिससे ब्यूटी और पर्सनल केयर की श्रेणी में मामाअर्थ को विश्वसनीयता और उच्च प्रतिष्ठा हासिल करने में मदद मिलेगी। मीशो पर सेल की अवधि में यह ब्रांड पाँच गुना वृद्धि कर चुका है। अब मामाअर्थ का उद्देश्य अगले 12 महीनों में मीशो पर 100 करोड़ रुपये के वार्षिक आवर्ती लक्ष्य (एआरआर) तक पहुँचना है। मामाअर्थ ने मीशो की विस्तृत पहुँच के साथ बेलगाँव (कर्नाटक), काशीपुर (उत्तराखंड), बोकारो (झारखंड), शिवाकाशी (तमिल नाडु) और कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) सहित भारत के दूरदराज के इलाकों में अपना विस्तार किया है। ब्रांड्स को विशाल ग्राहक वर्ग तक पहुँचाने की मीशो की क्षमता ने मामाअर्थ की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे उनके भरोसेमंद स्किनकेयर उत्पाद दूरदराज के इलाकों तक पहुँच सके हैं।

अमेजन ने भारतीय लघु व्यवसायों के लिए अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी और एआई -संचालित इनोवेशन के लिए लॉन्च किया संभव हैकथॉन 2024

मुंबई/पटना। अमेजन इंडिया ने आज अमेजन संभव हैकथॉन 2024 के लॉन्च की घोषणा की, जो ई-कॉमर्स में भारतीय लघु और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) के लिए अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी और एआई-संचालित इनोवेशन को आगे बढ़ाने से जुड़ी राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता है। यह हैकथॉन भारत में कंपनी के प्रमुख वार्षिक शिखर सम्मेलन के पांचवें संस्करण, अमेजन संभव 2024 की तैयारी का हिस्सा है, और देश भर के इनोवेटर को भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए आमंत्रित कर रहा है। अमेजन ने स्टार्टअप इंडिया, डीपीआईआईटी, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन (एनआईएफ) - इंडिया और एनआईएफ इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल (एनआईफाइनटेक) के साथ भागीदारी की है, ताकि देश के दूर-दराज के इलाके के इनोवेटर में मौजूद अपार संभावनाओं का समर्थन किया जा सके। यह हैकथॉन 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीय नागरिकों के लिए खुला है, जिसमें छात्र, उद्यमी, जमीनी स्तर के इनोवेटर, सेवा प्रदाता, कामकाजी पेशेवर, एसएमबी और व्यापक ई-कॉमर्स परितंत्र शामिल हैं। यह हैकथॉन ई-कॉमर्स इकोसिस्टम में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत की इनोवेटिव भावना का उपयोग करने का प्रयास करता है।

जिला परिषद कार्यालय पालघर में मनाई गई भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 को भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे ने भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

बतादें कि अवुल पाकिर जैनुलाब्दीन(ए.पी.जे.) अब्दुल कलाम (15 अक्टूबर 1931 - 27 जुलाई 2015) भारतीय एयरोस्पेस वैज्ञानिक थे। कलाम का पालन-पोषण तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ और उन्होंने वहीं भौतिकी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का अध्ययन किया। उन्होंने अगले चार दशक एक वैज्ञानिक और विज्ञान प्रशासक के रूप में मुख्य रूप से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में कार्य किया। डॉ. कलाम को सन् 2002 में 11वें राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। उन्हें व्यापक रूप से ₹जनता का राष्ट्रपति₹ कहा जाता है। उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। डॉ. कलाम का जन्मदिन 15 अक्टूबर को पठन प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया जाता है ।ऐसे महान व्यक्ति की जयंती पालघर जिला परिषद कार्यालय में मनाई गई।

इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्र शिंदे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी धनराज पांडे, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, कार्यकारी अभियंता (पा.पु.) राजेश पाध्ये, जिला कृषि अधिकारी प्रकाश राठौड़ के अलावा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। ठाकुर यशवंत सिंह (सचिव - महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी) की ओर से रविवार 13 अक्टूबर 2024 को कांदिवली पूर्व विधानसभा स्थित वड़ार समाज हनुमान मंदिर, आकुर्ली रोड, हनुमान नगर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लेकर शिविर का लाभ उठाया। इस शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच (बीपी, मधुमेह, मोतियाबिंद) के साथ-साथ लोगों को मुफ्त चश्मे भी वितरित किये गये। इस मौके मोतियाबिंद के नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु रजिस्ट्रेशन भी किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर के सफल आयोजन के लिए काँग्रेस व महाविकास आघाडी के सभी पदाधिकारियों के प्रति ठाकुर यशवंत सिंह ने आभार जताया।

भारतरत्न डॉ. अंबेडकर अवार्ड मिलने पर उप शिक्षणाधिकारी निसार खान ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुमुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग से सेवानिवृत महापौर पुरस्कृत शिक्षक शिवपूजन पांडे को शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए, महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सीपी राधाकृष्णन के हाथों भारत रत्न डॉ. अंबेडकर अवार्ड मिलने पर आज पश्चिमी उपनगर के कर्तव्यनिष्ठ उप शिक्षणाधिकारी निसार खान ने कांदिवली पश्चिम स्थित अपने कार्यालय में सम्मानित किया। इस अवसर पर हेड क्लर्क किशोर भंडलकर तथा वरिष्ठ शिक्षक कामता यादव उपस्थित रहे। श्री खान ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी शिवपूजन पांडे साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं । शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें मिले बड़े अवार्ड को देखते हुए शिक्षण विभाग की तरफ से उनका सम्मान किया गया।

कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 2 हजार करोड़ से ज्यादा के काम

- विधायक विश्वनाथ भोईर के कार्यों का लेखाजोखा प्रकाशित
- बुनियादी सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे के कार्यों पर जोर

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक विश्वनाथ भोईर ने बताया कि कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि, एमएमआरडीए, स्मार्ट सिटी, एमएसआरडीसी जैसे विभागों में 2 हजार 38 करोड़ के विकास कार्य चल रहे हैं। साथ ही इस अवसर पर शिवसेना जिला प्रमुख अरविंद मोरे के हाथों विधायक भोईर के बीते पांच साल के कार्यों का लेखाजोखा प्रकाशित किया गया।

विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले हुई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक विश्वनाथ भोईर ने पिछले 5 साल में किए गए विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। विधायक चुने जाने के बाद पहले ढाई साल कोविड से लड़ने में बीते, लेकिन उस समय भी विधायक ने हर चीज के लिए फंड उपलब्ध कराया चाहे वह कोविड हॉस्पिटल हो, ऑक्सीजन प्लांट हो या अन्य मेडिकल उपकरण।

विधायक विश्वनाथ भोईर ने बताया कि कोविड के बाद राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनी और फिर कल्याण पश्चिम में विकास की गंगा बहने लगी। विधायक भोईर ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए गंभीर प्रयास किए कि निर्वाचन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं के साथ केडीएमसी के पास एक अलग पानी का बांध हो। इस मौके पर जिला प्रमुख अरविंद मोरे, शिवसेना उपनेता विजया पोटे, विधान सभा संगठक संजय पाटिल, प्रभुनाथ भोईर, महिला संगठक छाया वाघमारे, नेत्रा उगले, उपशहर प्रमुख नितिन माने, अरविंद पोटे, सुनील वायले, मोहन उगले, गणेश जाधव, विद्याधर भोईर, विजय देशेकर, दुर्योधन पाटिल, गोरख जाधव, हषार्ली थविल, उज्वला मालबारी, सुजीत रोकड़े, अभिषेक मोरे, प्रतीक पेनकर, चिराग आनंद, अंकुश केने सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विद्या भवन स्कूल में वाचन प्रेरणा दिवस मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर आज पुणे विद्यार्थी गृह के विद्या भवन हाई स्कूल, घाटकोपर गरगटें ऑडिटोरियम में वाचन प्रेरणा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में आठवीं ए, बी, सी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। साथ ही अन्य कक्षाओं के सभी विद्यार्थियों ने कक्षा स्तर पर वाचन प्रेरणा दिवस मनाया। 8 वी/ए के कक्षा शिक्षक पद्माकर शिंगटे ने वाचन प्रेरणा दिवस के महत्व को समझाया। इस अवसर पर डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम की पुस्तकों के बारे में जानकारी दी गई। अनेक कहानियाँ प्रस्तुत की गईं। विद्यालय की प्रधानाचार्या योगिनी पोतदार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विद्यार्थी जीवन में पढ़ना कितना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा सिर्फ अध्ययन के लिए पढ़ने के बजाय अतिरिक्त पढ़ाई करें। पढ़ना किसी व्यक्ति के जीवन को मौलिक रूप से बदलने की क्षमता रखता है। एक पुस्तक सौ मित्रों से बेहतर है। दिवाली की छुट्टियों के दौरान छात्रों से कोई भी किताब पढ़ने और उसके बारे में 10 पंक्तियों में अपनी राय व्यक्त करने को कहा गया। कार्यक्रम में प्रिंसिपल योगिनी पोतदार और वाइस प्रिंसिपल ज्योति देलाई शामिल हुईं।

सनातन श्री रामलीला समिति द्वारा रामलीला का भव्य आयोजन

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के पावन चरित्र का भव्य मंचन सनातन श्री रामलीला समिति के तत्वावधान में पुण्य नगरी, नालासोपारा में होने जा रहा है. इस आयोजन का यह द्वितीय वर्ष है । भाजी मार्केट, गालानगर, नालासोपारा पूर्व में यह आयोजन 17 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक होना निश्चित हुआ है। समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष पं० दिलीप शर्मा व सभी स्थानीय कलाकारों द्वारा इस मंचन को सफल करेंगे . विशेष बात यह है कि स्त्री पात्रों की सभी भूमिकाएँ यहाँ की स्थानिक लडकियों एवं महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा. सचिव नीरज शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रेम शंकर शर्मा के प्रयासों द्वारा कार्यक्रम सुनियोजित किया गया है। जिसमें राम की भूमिका सोहम शर्मा तथा सागर मिश्रा, सीता की भूमिका खुशी तिवारी, लक्ष्मण की भूमिका मयंक शर्मा तथा रविन्द्र राय, रावण का किरदार एडवोकेट धीरज शर्मा, हनुमान का अभिनय प्रवीण तिवारी, परशुराम की भूमिका कमलेश मिश्रा जी कर रहे है. अध्यक्ष दिलीप शर्मा स्वतः सुग्रीव का किरदार निभा रहे है। नालासोपारा मेडिकल कॉलेज के संचालक डॉ ओमप्रकाश दुबे ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रामलीला देखने की अपील की है।

मराठी भाषा को विशेष दर्जा मिलने के उपलक्ष्य में निकाली गई रैली

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा मिलने से महाराष्ट्र के लोगों में खुशी दो गुनी हो गई है। मराठी भाषा को विशेष दर्जा मिलने के उपलक्ष्य में कोंकण मराठी साहित्य परिषद, बोईसर-तारापुर शाखा, मर्मबंध साहित्य व कला संस्था, रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के संयुक्त तत्वावधान में रैली निकाल कर आनंदोत्सव मनाया गया।

उक्त रैली की शुरूआत बोईसर रेलवे स्टेशन से की गई और तारापुर रोड, बोईसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने पहुंचकर एक सभा में रूपांतरित हो गयी। इस दौरान वक्ताओं में रोटरी क्लब अध्यक्ष विलास शाहपुर ने सैकड़ों वर्षों की गौरवशाली परंपरा का निर्माण करने वाली मराठी भाषा को अंततः अभिजात मान्यता देने के लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार जताया। मर्मबंध साहित्य एवं कला संस्था की अध्यक्षा नम्रता पाटील ने बोलते हुए कहा कि भाषा व्यक्ति के जीवन में घर से शुरू होती है और स्कूल में विकसित होती है। ब्राह्मण सेवा संघ के अजीत राणे ने बोलते हुए कहा कि मराठी भाषा का उचित गौरव किया गया है। यह मराठी संस्कृति का सम्मान है, मराठी लोगों की दृढ़ इच्छाशक्ति का जश्न मनाया जाना चाहिए। कोंकण मराठी साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष प्रवीण दवणे ने बोलते हुए कहा कि मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा मिलने के बाद हम सब की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ गई है। भाषा के प्रचार व प्रसार के लिए महाराष्ट्र के नवी मुंबई में मराठी भवन का उद्घाटन किया गया है। वरिष्ठ लेखकों एवं भाषा विद्वानों ने आशा व्यक्त की है कि मराठी मानक भाषा का और अधिक विकास होना चाहिए। दीप एजुकेशन इंस्टीट्यूट की प्रिंसिपल वृंदा कुलकर्णी ने बोलते हुए कहा कि सी.बी.एस.ई. स्कूलों में मराठी भाषा को भी अनिवार्य कर दिया गया है। साहित्यकार विद्या भोरजारे मैडम ने बोलते हुए कहा कि प्राथमिक विद्यालय की कविताएं प्रस्तुत कर मराठी साहित्य को अगली पीढ़ी तक पहुंचाया जाना चाहिए। इस अवसर पर नवरस कला रंग की संस्थापिका एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. संध्या शाहपुरे सहित कई संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। पालघर जिले में एक विशिष्ट मराठी संगठन का गठन करना आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मराठी बोली को ज्ञान की भाषा बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार के भाषा विभाग में कार्यरत शिक्षक सामाजिक संस्था के अध्यक्ष सुशील शेजुले ने मराठी स्कूलों को बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। को.म.सा.प. बोईसर-तारापुर शाखा अध्यक्ष प्रो. संजय घरत ने बोलते हुए कहा कि गांव के मराठी स्कूल के साथ-साथ आश्रम स्कूल में भी मराठी भाषा को बढ़ावा देना चाहिए और घर पर मराठी बोली बोलनी चाहिए। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में मराठी भाषा का प्रचार, प्रसार और प्रचार किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बहुमूल्य विचार व्यक्त करते हुए आभार जताया। कार्यक्रम का परिचय, सूत्र संचालन को.म.सा.प.जिला प्रतिनिधि सुहास राऊत ने किया। सुहास राऊत बोलते हुए कहा कि लीला चरित्र, ज्ञानेश्वरी, विवेक सिंधु जैसे कई ग्रंथों के आधार पर मराठी भाषा अभिजात है। इसे सिद्ध करने के लिए अनेक प्रख्यात विद्वानों ने योगदान दिया। नवरात्रि के पहले ही दिन मेरी मराठी का ये तोहफा मन को बेहद सुखद अनुभव दिया है।इस अवसर पर अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अनिल करवीर, नंदिनी गुलवणे सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी कामगार सेना द्वारा चुनाव बहिष्कार हेतु तहसीलदार को सौंपा गया ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी कामगार सेना की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव कार्य के बहिष्कार के संबंध में पालघर तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को एक ज्ञापन पत्र सौंपा गया। इस मौके पालघर तहसीलदार के सामने ग्राम पंचायत कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय के मुद्दे को उठाया गया। महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी कामगार सेना की तरफ से ज्ञापन के जरिए कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों के बारे में पालघर तहसीलदार को जानकारी देते हुए बताया गया कि कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। वेतन के अभाव में कर्मचारियों को घर चलाने में परेशानी हो रही है, ऐसे में कर्मचारियों समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए और हमारे साथ जो अन्याय हुआ है, उसे जल्द से जल्द समाधान किया जाये। महाराष्ट्र ग्राम पंचायत कर्मचारी कामगार सेना 58 25 की ओर से ज्ञापन सौंपते समय पालघर तहसील के सभी ग्राम पंचायत कर्मचारी जिलाध्यक्ष, जिला कमेटी, तहसील कमेटी, तहसील ग्राम पंचायत के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

विकास भवन में विभिन्न कार्यालयों का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

वृद्धावस्था पेंशन के मामले निस्तारित करने के दिये निर्देश

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा विकास भवन में स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि जिला समाज कल्याण विभाग के स्तर पर वृद्धावस्था पेंशन के लगभग 9072 प्रार्थना पत्र लंबित है। जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी और सम्बन्धित स्टाफ का वेतन रोकने के निर्देश दिये और कहा कि जब तक सभी पेंडेंसी खत्म नहीं कर दी जाती है तब तक वेतन आहरित न किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन मोड पर कार्य करते हुए अगले 04 दिन के भीतर सभी पेंडेंसी खत्म की जाए। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम को निर्देश दिया कि सुनिश्चित कराए कि भविष्य में इस तरह से पेंडेंसी न होने पाये।

कार्यालय जिला विकास अधिकारी के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा सहायक आयुक्त उद्योग धर्मेंद्र द्विवेदी और वरिष्ठ सहायक अरविंद कुमार की सेवा पुस्तिका देखी जो की अपडेट पाई गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन लाभार्थियों की ई-केवाईसी नहीं हो पाई है उनकी सूची बनाकर ई-केवाईसी कराना सुनिश्चित करें।

डीआरडीए कार्यालय में जाकर सांसद निधि के स्तर पर लंबित आवासों के संदर्भ में जानकारी ली।कार्यालय जिला पंचायत राज अधिकारी के निरीक्षण दौरान लेखाकार रईस से शौचालय के निर्माण के संबंध संदर्भ में जानकारी प्राप्त की और कर्मचारियों की नेम प्लेट लगाए जाने के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी को दिया गया।इस अवसर पर परियोजना निदेशक कृष्ण करुणकर पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संदिग्ध हाल में फांसी पर लटकता मिला युवक का शव

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला हमाम दरवाजा निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में रस्सी के सहारे घर में लटकती हुई लाश बरामद हुई है। सूत्रो से मिली जानकारी के इसी थाना क्षेत्र के हमाम दरवाजा निवासी रूखशार हसन का 19 वर्षीय पुत्र मोजिज हसन घर पर अकेला था उस समय घर में कोई मौजूद नहीं था परिवार के लोगों किसी आवाश्यक कार्य को लेकर बाहर गए हुए थें। मंगलवार की दोपहर दिन के करीब 12 बजे जब परिजन घर पहुंचे तो उन्होंने देखा युवक का शव रस्सी के सहारे लटका हुआ है तो उनके होश उड़ गएं। घटना की जानकारी जैसे ही आसपास वालों को लगी तो बड़ी संख्या में मोहल्ला वासी एकत्रित हो गए। मौके पर जुटी भीड़ में जितना मुंह उतनी बातें कही जा रही है। फिल्हाल खबर लिखे जाने तक आत्महत्या के कारण का अभी पता नहीं चल सका है। घटना के संबंध में चौकी प्रभारी राज कॉजेल राम प्रकाश यादव से पूछा गया तो उन्होंने जानकारी मिलने से इंकार किया है।

हरिकेश का नहीं चला पता, परिवार का हुआ बुरा हाल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। हरिकेश श्रीवास्तव (22वर्ष) पुत्र राजू श्रीवास्तव विजयग्राम कॉलोनी थाना जैतपुरा 7 जून 2024 से लापता है। परिवार का रो- रो कर हुआ बुरा हाल,परिवार अपने हर सगे संबंधियों के यहाँ पता लगाया फिर भी कुछ पता नहीं चला वही पर हरिकेश की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना जैतपुरा द्वारा दर्ज कर लिया गया लेकिन अभी तक हरिकेश का पता नहीं चल पाया। परिवार वाले थाने के लगा रहे चक्कर हैं।

गोमती नदी में डूबे किशोर का तीसरे दिन मिला शव

इम्तियाज अहमद

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)।जफराबाद थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी 15 वर्षीय नितिन सिंह की लाश तीसरे दिन गोमती नदी के केशवपुर के मलुही घाट पर मिली। जिससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। नितिन के दरवाजे पर सैकड़ों लोग जमा हो गए।और पूरा गांव शोक में डूब गया। ज्ञात हो कि नितिन के परिवार में धुरेन्द्र सिंह की माता का निधन तीन अक्टूबर को हुआ था। परिवार के लोग जगदीशपुर पम्प कैनल के पास घाट पर नहाने गए थे। रविवार को दादी के श्राद्ध के दौरान नितिन, जो धुरेन्द्र का पुत्र था। गोमती नदी में नहाते समय डूब गया। उसके साथ चार अन्य लड़के भी थे।जिनमें से तीन को स्थानीय लोगों ने बचा लिया था। स्थानीय पुलिस और गोताखोर नितिन को खोजने में जुटे रहे। लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। अंततः थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने अधिकारियों से बात कर वाराणसी से एनडीआरएफ की टीम को बुलवाया। एनडीआरएफ टीम ने नदी में तीन किलोमीटर तक खोजबीन की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली, और रात को टीम वापस लौट गई। मंगलवार की सुबह, मछुआरों द्वारा लगाए गए जाल में नितिन का शव फंसा हुआ पाया गया। मछुआरों ने तत्काल मृतक के परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग और थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव मय फोर्स मौके पर पहुंचे। शव को घर लाया गया।जहां नितिन की मां सहित अन्य परिवार के सदस्य उसका अंतिम दर्शन करने के लिए बेसुध होकर गिर पड़े। परिवार के अन्य सदस्य भी रो-रोकर बेहाल हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से गांव शोक डूबा है।

देश के मुद्दों को समझने में मिलती है मदद: प्रो.मानस पांडेय

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मंगलवार को फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्ट्डीज में बीकॉम के विद्यार्थियों द्वारा यूथ पार्लियामेंट तथा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या मे विद्यार्थियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में विभागाध्यक्ष व्यावसायिक अर्थशास्त्र प्रो मानस पाण्डेय ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में सार्वजनिक विकास होता है। उन्हें देश के सामाजिक मुद्दों को समझने में मदद मिलती है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देश के विभिन्न सत्ताधारी एवं प्रतिपक्षी नेताओं के रूप में स्वयं को प्रस्तुत करते हुए बहस में प्रतिभाग किया। यहां कोई प्रधानमंत्री, कोई गृह मंत्री, कोई रक्षा मंत्री, कोई नेता, प्रतिपक्ष बना हुआ था। कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र प्रतिभागियों ने अपनी बातों को बड़ी मुख्यता से प्रस्तुत किया।ये मुद्दे देश की तत्कालीन परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों ने जिन मुद्दों पर अपनी बाते रखीं थी सभी मुद्दे बहुत ही समसामयिक एवं ज्वलंत है। इसमें प्रमुख रूप में नई शिक्षा नीति का अनुपालन वर्तमान शिक्षा की स्थिति, महिला सशक्तिकरण, बेरोजगारी देश की वित्तीय स्थिति भारत सरकार का विभिन्न मुद्दों, देश की सुरक्षा आदि रहे। बीकाम आनर्स के डॉ.आशुतोष सिंह ने विद्यार्थियों के प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम का आयोजन बीकॉम ऑनर्स तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया। इसमें प्रमुख रूप से उमंग श्रीवास्तव, इशिता श्रीवास्तव, रजत अग्रहरि, कृतिका यादव , सैयद फिजा, इस्मत जेहरा, सृष्टि सेठ, मनाल सिद्धिकी, तसलीम फातिमा,संकल्प सोनी,पीयूष शाह इत्यादि शामिल थे।

प्रतिभागियों में शांभवी राय, समृद्धि साहू, दिव्यांशु, सचिन इत्यादि विद्यार्थियों ने अपनी बातें रखी। कार्यक्रम के उपरांत पुरस्कारों का वितरण किया गया जिसमें प्रथम स्थान समृद्धि साहू बीकॉम सेकंड ईयर, द्वितीय स्थान अंशिका यादव, बीकॉम फर्स्ट ईयर एवं तृतीय स्थान शुभम मोदनवाल, बीकॉम फर्स्ट ईयर ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ.राकेश उपाध्याय, डॉ.रोहित पांडे आदि शिक्षक थे।

सोनार नरहरी सेना व जौनपुर सराफा एसोसिशन ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

रियाजुलहक खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोनार नरहरी सेना व जौनपुर सराफा के पदाधिकारीओ ने संयुक्त रूप से पुलिस अधीक्षक डॉ.अजय पाल शर्मा को ज्ञापन सौंपा है। पुलिस अधीक्षक को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि गोली मारने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी जल्द किया जाए।

बताते चलें कि सराफा व्यापारी विक्रांत सेठ कोयलारी बाजार केराकत से 9 अक्टूबर को अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें गोली मार दिया जिनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जौनपुर सराफा व्यापारियों के जिला अध्यक्ष अमर जौहरी व सोनार नहरी सेना के जिला अध्यक्ष सुजीत वर्मा व,शुभम सेठ के साथ आज ज्ञापन सौंपे, ज्ञापन में यह मांग किया गया कि पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी व पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराया जाए तथा परिवार के एक सदस्य को शस्त्र लाइसेंसी दिलाया जाए और पीड़ित परिवार को एक करोड़ रूपया आर्थिक सहायता राज्य सरकार से दिलाया जाए। इस अवसर पर सराफा एसोसिएशन केराकत, अविरल एडवोकेट, दिलीप सेठ मंडल अध्यक्ष, सतीश सेठ, शुभम सेठ, धीरज सेठ आदि मौजूद रहे।

संरक्षक मदन लाल के निधन पर आदि शक्ति संस्था ने दी श्रद्धांजलि

प्रियेश गुप्ता रुद्र, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आदि शक्ति संस्था (ट्रस्ट) के संरक्षक मदन लाल अग्रहरि का निधन हो गया। जिसको लेकर संस्था द्वारा सब्जी मण्डी में स्थित दुर्गा माता मन्दिर के प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा की गयी। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने श्री अग्रहरि के चित्र पर माल्यार्पण करके शोक जताया। शोकसभा में अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव, महामंत्री दिलीप जायसवाल राजू, कोषाध्यक्ष अजय साहू, उपाध्यक्ष अंकित यादव, गोलू लाल, बाबा तिलक वाले, संत लाल मद्धेशिया, गोपाल सिंह, अनिल साहू, राजेश प्रजापति, लल्लू, राहुल जायसवाल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के आरोप में एक अभियुक्त गिरफ्तार

बदलापुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के पुरामुकुन्द हाइवे के पास से मंगलवार को पुलिस ने दलित महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोप मे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि दलित महिला के साथ दुष्कर्म के अपराध मे वांछित चल रहे अभियुक्त विकास मौर्य पुत्र स्व. रामपति मौर्य निवासी ग्राम रामपुर थाना बदलापुर को मंगलवार को पुरामुकुन्द हाइवे के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस अग्रिम विधिक कार्यवाई कर रहीं है।

बीपीएड प्रवेश के लिए काउंसलिंग अब 12,13 नवंबर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीपीएड् पाठ्यक्रम सत्र 2024-2026 में प्रवेश हेतु रिक्त सीटों के सापेक्ष दिनांक 15 एवं 16 अक्टूबर 2024 को आयोजित द्वितीय शारीरिक दक्षता परीक्षा/ काउंसिलिंग किन्ही अपरिहार्य कारणों से स्थगित की जाती है। अब उक्त परीक्षा/ काउंसिलिंग अब 12 एवं 13 नवम्बर 2024 को पूर्व निर्धारित समय एवं स्थान पर सम्पन्न होगी। आवेदन कर चुके वे अभ्यर्थी जो प्रवेश से वंचित है। उक्त दक्षता परीक्षा में प्रतिभाग कर सकते है। बी.पी.एड. में प्रवेश हेतु अब तक आवेदन से वंचित अभ्यर्थियों के लिये ऑन लाईन आवेदन फार्म का भरने का विकल्प खुला हुआ हैं। जिसकी अन्तिम तिथि 06 नवम्बर 2024 निर्धारित की गयी है। द्वितीय दक्षता परीक्षा/ काउंसिलिंग में उपस्थित होने वाले अभ्यथियों को निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त प्रस्तावित काउंसिलिंग में अपने समस्त पात्रता से सम्बन्धित शैक्षिक और खेल-कूद के मूल और छाया प्रति प्रपत्रों के साथ उपस्थित हो। अभ्यर्थियों के लिये आवेदन हेतु नियम-निर्देश, आवेदन फार्म तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा/ काउंसिलिंग में उपस्थिति होने के लिये आवश्यक निर्देश तथा प्रपत्र "क" आदि विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.vbspu.ac.in पर उपलब्ध हैं।

कार की टक्कर से 58 वर्षीय अधेड़ की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के हौज गांव के पास सोमवार को कार की टक्कर से घायल 58 वर्षीय अधेड़ की उपचार के लिए बीएचयू ले जाते समय रास्ते मे मौत हो गयी। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना के बाद कार चालक वाहन सहित भाग गया था। हौज शिवाला गांव निवासी राजनाथ राजभर गांव में स्थित सरकार द्वारा संचालित गोशाला में काम करता था। वह गोशाला से काम करके साइकिल से घर खाना खाने जा रहा था। हौज गांव के पास वह साइकिल से उतरकर पैदल ही चलने लगा।उसी समय लखनऊ से वाराणसी की तरफ जा रही कार ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह अचेत होकर सड़क के किनारे गिर गया। सूचना पाकर ग्राम प्रधान चंदन चौहान मौके पर पहुंच गए। वे राजनाथ को जिला चिकित्सालय ले गए। जहां उसका उपचार चल रहा था। थोड़ी देर बाद हालात गम्भीर होने पर चिकित्सकों ने राजनाथ राजभर को ट्रामा सेंटर बीएचयू रेफर कर दिया था। जहां बुधवार को उसकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र ने कार नम्बर यू पी 65 डी एन 6803 के चालक ने लापरवाही ढंग से कार चलाते हुए टक्कर मार दिया। जिससे यह घटना हुई। थानाप्रभारी जय प्रकाश यादव ने वादी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विद्युत दुर्घटना में मृत्यु के उपरांत मृतक के परिवार को समय से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में विद्युत दुर्घटना से हुए मृत्यु के उपरांत मृतक के परिवार को समय से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में बैठक संपन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि विद्युत दुर्घटना से जिसकी मृत्यु हुई है उनके परिवार को जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिलवाया जाए। उन्होंने कहा कि रोड क्रॉसिंग पर तारों की गार्डिंग करवाया जाए जिससे दुर्घटना में कमी लाई जा सके साथ ही कहा कि जहां भी विद्युत तार ढीले हो उसको तत्काल टाइट करवाते हुए पोल लगाकर विद्युत तार को ऊपर किया जाए इसके साथ ही विद्युत सुरक्षा संबंधी हरसंभव प्रयास किया जाए, जिससे विद्युत संबंधी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर पवन सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत प्रथम, द्वितीय, तृतीय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हम हिंदुस्तानी ट्रस्ट ने किया कलाम को याद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज 15 अक्टूबर 2024 को हम हिंदुस्तानी ट्रस्ट

की तरफ से भारत रत्न, भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति "डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम" की जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज तालीमाबाद, सबरहद, शाहगंज जौनपुर पर आयोजित किया गया। जयंती के अवसर पर लोगों ने डा.कलाम को याद करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलते हुए। देश निर्माण में अपना योगदान प्रदान करने का संकल्प लिया।हम अपने जीवन में जिस भी प्रोफेशन में हैं उसमें बेहतर करने का प्रयास करें तभी देश आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी को केंद्र में रखते हुए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। अन्य वक्ताओं ने भी इस बात पर बल दिया कि, हम किस तरह से वर्तमान भारत व दुनिया में शिक्षा, स्वास्थ्य व बेहतर जीवन को प्राप्त करने में किस तरीके से कलाम साहब के पदचिन्ह पर चलकर एक बेहतरिन दुनिया का निर्माण कर सकते हैं और यही डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के प्रति हमारे सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 तबरेज आलम, डॉ0अश्वनी कुमार यादव, उप प्राचार्य डॉ0 निजामुद्दीन आदि मौजूद रहे।

जौनपुर सराफा एसोसिएशन की कार्यकारिणी घोषित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सराफा एसोसिएशन जौनपुर की एक अहम बैठक रविवार को कसेरी बाजार स्थित गंगा अलंकार मन्दिर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार सेठ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें संगठन के संबंध में चर्चा उपरांत अध्यक्ष द्वारा नई कार्यकारिणी की घोषणा किया गया। जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील सेठ, विनय बारौतिया, नीरज साहू, निरंजन वर्मा, गौतम सोनी, बंशीधर वर्मा, संजय महेश्वरी, उपाध्यक्ष विमल सिंह, सन्नी वर्मा, संजीव साहू, संतोष सेठ बीएलएस, दयाशंकर सेठ मोनू, महामंत्री मधुसूदन बैंकर, कोषाध्यक्ष विनोद सेठ,मंत्री राजकुमार सेठ कल्लू, अजीत सोनी पत्रकार, अनिल कुमार वर्मा मोनू, शंभूनाथ सोनी, आय व्यय निरीक्षक राजीव सेठ राजू, संगठन मंत्री विष्णु सेठ गुड्डू, राजेश सेठ, मनोज वर्मा, देवी प्रसाद सेठ के नाम की घोषणा करते हुए सभी पदाधिकारियों को उनके उत्तरदायित्व का बोध कराया गया।कार्यकारिणी सदस्य में अजय सेठ विक्की, राधेश्याम सेठ, कृष्ण कुमार सेठ, संदीप वर्मा, रमेश सेठ, इंद्रजीत सेठ, संतोष कुमार साहू बच्चा, कृपानाथ सेठ, कमलेश सेठ, विक्रम मौर्य, अनिल साहू, मनीष सेठ, संजय गुप्ता एडवोकेट, विवेक सेठ भोलू, श्याम बाबू सेठ, पवन सेठ, अजय सेठ अशोक सेठ, नीरज सेठ, सुनील सेठ, संजय बैंकर, ऋषि सेठ, महेश सेठ, संतोष सेठ को उत्तरदायित्व दिया गया है। सभी से अपेक्षा किया गया कि आप सभी लोगों का सहयोग, मार्गदर्शन व सुझाव समय समय पर एसोसिएशन को प्राप्त होता रहेगा।बैठक का संचालन कर रहे महामंत्री मधुसूदन बैंकर ने सभी के प्रति आभार जताया। एसोसिएशन के संरक्षक नन्हे लाल वर्मा, विवेक सेठ मोनू, मानिक चंद सेठ, अरविंद कुमार बैंकर, दयाराम सेठ, प्रवीण सेठ ने सभी पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

धूमधाम से मनी पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन की जयंती

डॉ.एपीजे.अब्दुल कलाम का देश की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान: डॉ.सरफराज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज़िला कार्यालय समाजवादी पार्टी पर आज मुल्क की अजीम शक्सियत पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन के नाम से प्रख्यात, देश के गौरव मरहूम ए.पी.जे.अबुल कलाम की यौम -ए पैदाइश मनाई गई। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि जफराबाद ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की एपीजे अब्दुल कलाम बहुत ही साधारण घर के होते हुए भी देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए।उनका जीवन सादा था पर उच्च विचार वाला था उन्होंने देश के रक्षा मामले में जो योगदान दिया उसका राष्ट्र हमेशा उनके प्रति कृतघ्न रहेगा।

इस मौके पर उपस्थित लोगो ने खेराजे-अकीदत भी पेश की गई।इस मौके पर पार्टी के अन्य नेताओं ने भी शिरकत की जिनमे मुख्य रूप से ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व ज़िलाध्यक्ष लाल बहादुर यादव, पूर्व एम एल सी लल्लन प्रसाद, पूर्व ज़िलापंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, डॉक्टर सरफराज, रूखसार साहब, हिसामुद्दीन शाह, जोगेंदार निषाद सभासद, इकबाल, अमजद आदि लोग मौजूद रहे।

पेट्रोल पम्प कर्मी से लूट के चलते व्यवसाई दहशत में

पुलिस के हाथ नही लगा कोई सुराग! कानून व्यवस्था ध्वस्त हौसला बुलंद अपराधी मस्त

खेतसराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मानी खुर्द स्थित पानी टंकी के पास सोमवार को दिनदहाड़े हुई लूट की घटना ने अन्य व्यवसाइओं को दहशत में डाल दिया है।बदमाशों द्वारा पिस्टल दिखाकर जिस दुस्साहस से घटना को अंजाम दिया गया वह कोई पेशेवर अपराधी ही कर सकता है ऐसे में पुलिस के लिए सिरदर्द बने इस अपराधी को दबोचने में सीसीटीवी फुटेज अहम माना जा रहा है। बतादें कि सोमवार की दोपहर बाद लगभग तीन बजे मानी कलाँ स्थित पेट्रोल पम्प से कर्मी नीरज यादव दिनभर की आय तीन लाख पचपन हजार आठ सौ पचास रुपये लेकर बाइक से जमा करने यूनियन बैंक फुलेश(आजमगढ़)के लिए निकला, बीच रास्ते में मानी खुर्द पानी टंकी के निकट सरे राह पल्सर सवार दो नकाब पोश बदमाशों ने ओवर टेक कर रोक लिया और रुपयों से भरा बैग छीन लिया जिसका विरोध करने पर पिस्टल निकाल लिया तो कर्मी डर कर इन्हें जाने दिया फि लहाल दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने व्यवसाई से लेकर आम तक को भय में रहने को मजबूर कर दिया।दूसरी ओर देखें तो इस घटना ने पुलिस की नींद हराम कर दिया है दिन दहाड़े लूट की घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दिया है। जिसके चलते पुलिस बड़ी सरगर्मी से बदमाशों की तलाश आजमगढ़ जनपद तक कर रही है इसमें सबसे अहम सुराग सीसीटीवी फुटेज साबित होगा।इस संबंध में सीओ शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने कहा इस घटना पर अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचे हैं लेकिन प्रक्रिया चल रही है।

मिट्टी की सेहत को बचाना है तो किसानों को जैविक खेती अपनाना होगा: अदिति पटेल

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। राजातालाब आराजी विकास खंड क्षेत्र के मेहंदीगंज मड़ई स्थित पंचायत भवन पर मंगलवार को नमामि गंगे योजना के अंतर्गत कृषि विभाग एवं ईकोवा के तत्वाधान में आयोजित जैविक किसान मेला का शुभारंभ सेवापुरी विधायक नील रतन पटेल नीलू के प्रतिनिधि अदिति पटेल ने दीप प्रज्वलन कर किया।मेला में जनपद के सभी विकास खण्डों के एफपीओ से जुड़े कलस्टरों के जैविक उत्पादों (काशी जैविक उत्पाद) का स्टाल लगाया गया जो आकर्षण का केंद्र रहा जिसका अतिथियों ने अवलोकन कर काफी सराहना किया।कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत इकोवा संस्था के प्रोजेक्ट हेड संदीप तेवतिया ने पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर उनको सम्मानित किया। किसानों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सेवापुरी विधायक प्रतिनिधि अदिति पटेल ने कहा कि मिट्टी की सेहत को बचाना है तो अब किसानों को जैविक खेती अपनाना होगा।किसानों को संबोधित करते हुए अर्पित सिंह, अभिषेक सिंह एवं प्रवीण नागर तथा संदीप तेवतिया ने किसानों को मिट्टी में जीवांश बढ़ाने, गो मूत्र व गोबर गुड़, चने का बेसन, जीवांश युक्त मिट्टी को मिलाकर जीवामृत घोल का प्रयोग, लाइन में फसलों की बुवाई करने, मिलवा खेती करने, बीज शोधन के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग, देशी बीज का प्रयोग तथा देसी गाय पालन करने के बारे में विस्तार पूर्वक से जानकारी दिया। संचालन अश्वनी सिंह एडीओ एजी व प्रवीण सिंह ने की। लोकगीत गायक फूलचंद राजभर ने बिरहा के माध्यम से किसानों को जैविक खेती के बारे में जागरूक किया। इस दौरान मुख्य रूप से रामविलास पटेल, संदीप तेवतिया, पूर्व एडीओ एजी श्रीराम, अश्वनी सिंह, राजेश यादव, प्रमोद माथुर, नीलम, मुकेश पटेल, स्वतंत्र पटेल, रविंद्र पटेल, मनोरमा देवी, शुशील पटेल, चंपा देवी, शीला, प्रेमचंद पटेल, जितेंद्र पांडेय सहित क्षेत्र के सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

त्योहारों से पहले पारंपरिक मिठाइयों की बिक्री में वृद्धि: स्कैंडलस फूड्स

मुंबई। भारतीय मिठाइयां बनाने वाली प्रमुख बी2बी कंपनी स्कैंडलस फूड्स ने एक दिलचस्प सर्वे जारी किया है, जो त्योहारों के दौरान मिठाइयों की ग्राहकों में बढ़ती पसंद पर आधारित है। इस सर्वे के अनुसार, त्योहारों के दौरान भारतीय मिठाइयों की मांग में भारी वृद्धि देखी गई है, और इन मिठाइयों ने विदेशी डेजर्ट और आइसक्रीम की बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। यह सर्वे 1,000 ग्राहकों और 100 रेस्त्रां पर किया गया, जिसमें त्योहारों से पहले पारंपरिक भारतीय मिठाइयों के प्रति खास रुचि दिखाई दी। आंकड़ों के मुताबिक, त्योहारों के दौरान बिकने वाली मिठाइयों में 55% हिस्सेदारी भारतीय मिठाइयों की रही। वहीं, विदेशी मिठाइयों की बिक्री सिर्फ 25% रही, और बाकी 20% में आइसक्रीम और चॉकलेट का हिस्सा था। रसमलाई, गुलाब जामुन और फ्यूजन डेजर्ट्स जैसे रसमलाई तिरामिसू होटल, रेस्त्रां, और कैटरिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा पसंद किए गए। स्कैंडलस फूड्स के को-फाउंडर संकेत एस ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि जब मीठे की बात आती है, तो भारतीय मिठाइयां पूरी दुनिया में सबसे आगे हैं, खासकर त्योहारों के समय। हमारा नया सर्वे इस बात की पुष्टि करता है कि उत्सवों के दौरान भारतीय मिठाइयां लोगों के दिलों में खास जगह रखती हैं। हमें खुशी है कि हम फ्यूजन डेजर्ट के साथ नए इनोवेशन कर रहे हैं, और साथ ही भारतीय मिठाइयों की समृद्ध परंपरा को बनाए रखते हुए बाजार की बदलती मांगों को पूरा कर रहे हैं।

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम की जयंती पर रक्तदान का आयोजन

मुंबई। दसरा, जागतिक हात स्वच्छता दिवस एवं डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम की 93 वीं जयंती के अवसर पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका राजावाड़ी रुग्णालय घाटकोपर (पूर्व) मुंबई में मंगलवार को रक्तदान का आयोजन किया गया। ब्लड बैंक के डॉ. विशाल राजपूत,अश्विनी की मौजुदगी में किया गया। रक्तदान एक महादान है, ना ही रक्तदान करने वाले की जात पूछी जाती है और ना ही रक्तदान लेने वाले की जात पूछी जाती है, बस यह समझ कर रक्तदान करें की आपकी एक खून किसी की जान बचा सकता है। इस रक्तदान महादान का हिस्सा बने सुखबिंदर सिंह(लाला भाई), मो.शोएब खान, इस्लाम खान(बाबा), पठान असदान बने। डॉ. भारती राजुलवाला डीन बृहन्मुंबई महानगरपालिका राजावाडी रुग्णालय ने मौजुद रक्तदान सदस्यों का भी धन्यवाद किया।

इसुजु मोटर्स इंडिया ने इसुजु डी-मैक्स एम्बुलेंस को बाजार में उतारा

मुंबई। इसुजु मोटर्स इंडिया ने आज बड़े गर्व के साथ इसुजु डी-मैक्स एम्बुलेंस के लॉन्च की घोषणा की है, जिसे पूरी तरह से अक्स-125 टाइप उ एम्बुलेंस के विनिदेर्शों के अनुसार बनाया गया है। इलाज की जरूरत के मामलों में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए डिजाइन किया गया यह एम्बुलेंस इस श्रेणी में सबसे आगे है, जो मरीजों को लाने और ले जाने के लिए बेहद भरोसेमंद, सुरक्षित और आरामदेह होने के साथ-साथ आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में एक नई मिसाल पेश करता है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में माहिर इसुजु ने स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की जरूरतों को गहराई से समझते हुए इस एम्बुलेंस को भारत के लिए डिजाइन किया है। नई इसुजु डी-मैक्स एम्बुलेंस इस श्रेणी में 14 सबसे बेहतर सुविधाओं के साथ आती है, जो देश में ह्यबेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस में एक नए दौर की शुरूआत करती है। लॉन्च के मौके पर, इसुजु मोटर्स इंडिया के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर, तोरु किशिमोतो ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, हमें भारतीय बाजार के लिए डिजाइन किए गए अपने सबसे अनोखे प्रोडक्ट, इसुजु डी-मैक्स एम्बुलेंस को पेश करते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है, जिसे इस श्रेणी में 14 'सबसे उम्दा सुविधाओं' के साथ पेश किया गया है। इसुजु भरोसा और मजबूती का दूसरा नाम बन चुका है। नया इसुजु डी-मैक्स एम्बुलेंस इन सभी खूबियों को और आगे ले जाता है, जो अक्स-125 टाइप उ एम्बुलेंस के तहत निर्धारित विनिर्देशो के अनुरूप होने के साथ-साथ बेहतरीन गुणवत्ता वाली बनावट और बेजोड़ मजबूती प्रदान करते हैं।

पार्टी स्मार्ट के साथ पार्टी को जीवंत बनाते हैं आदित्य रॉय कपूर

ठाणे। हिमालया वेलनेस पार्टी स्मार्ट के लिए अपने नवीनतम डिजिटल वीडियो अभियान (डीवीसी) के साथ स्मार्ट पार्टी को सुर्खियों में ला रहा है, जिसमें सहज रूप से कूल आदित्य रॉय कपूर पार्टी गुरु की भूमिका में हैं। इस मजेदार और गतिशील अभियान में, कपूर केंद्र में हैं, और हर पार्टी में जाने वाले व्यक्ति द्वारा पूछे गए सभी ज्वलंत सवालों के जवाब दे रहे हैं - जैसे कि अच्छे समय को कैसे बनाए रखा जाए और अगले दिन तरोताजा होकर उठने के पीछे का रहस्य। अपने खास आकर्षण और हास्य के साथ, कपूर पार्टी करने के बारे में प्रचलित मिथकों को तोड़ते हैं और हैंगओवर को रोकने के लिए पार्टीस्मार्ट के हर्बल रहस्य को उजागर करते हैं। पार्टी गुरु के रूप में, वह दिखाते हैं कि कैसे पार्टी की जाए और फिर भी पार्टीस्मार्ट के तेजी से काम करने वाले हर्बल फॉमूर्ले की बदौलत आप सुबह उठकर अच्छा महसूस करें। चाहे आप डांस फ्लोर पर हों या गिलास उठा रहे हों, पार्टी गुरु आदित्य रॉय कपूर के पास आपकी सभी पार्टी दुविधाओं का जवाब है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आप एक शानदार रात बिता सकें और उसके बाद की सुबह बेहतर हो। पार्टी स्मार्ट के ब्रांड एंबेसडर आदित्य रॉय कपूर ने अभियान के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैंने सीखा है कि सबसे अच्छी पार्टियाँ वे होती हैं जहाँ अगले दिन सभी को बहुत अच्छा महसूस होता है। पार्टी स्मार्ट एक गेम-चेंजर है जो आपको अपनी सेहत से समझौता किए बिना सामाजिक आयोजनों का आनंद लेने की अनुमति देता है। चाहे आप पार्टी करने के शौकीन हों या कभी-कभार मिलने-जुलने का शौक रखते हों, यह एक आदर्श साथी के रूप में काम करता है। ज़िम्मेदारी से सामाजिक मेलजोल के अनुभव को अपनाने का समय आ गया है।

वाराणसी की दीपावली, देव दीपावली और छठ को देखते हुए गंगा घाट पर सिल्ट सफाई अभियान नें पकड़ा जोर

डॉ. एस.के. मिश्र

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। बाढ़ के बाद गंगा घाटों पर जमा सिल्ट की सफाई का कार्य शुरू हो गया है। छठ पूजा और देव दीपावली को ध्यान में रखते हुए इस सफाई को प्राथमिकता दी जा रही है। नगर निगम ने सफाई अभियान के तहत मोटर पंपों की मदद से पानी के प्रेशर से सिल्ट को गंगा में बहाने का काम शुरू किया है। सफाई कार्य में नगर निगम के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। और स्थानीय लोग भी इस काम में सहयोग कर रहे हैं। तुलसी घाट,गंगा महल घाट, रिवा घाट, अस्सी घाट और रविदास घाट पर सिल्ट हटाने का काम जोरों पर है। सफाई अभियान में जुटे नगर निगम के कर्मचारियों का कहना है कि अगले 10 दिनों में सभी घाटों को पूरी तरह साफ कर दिया जाएगा। सिल्ट के ढेर के कारण गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं और नाव पर सवार होने वाले पर्यटकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जिसे जल्द ही दूर किया जाएगा।

महाराष्ट्र भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष चित्रा वाघ को महाराष्ट्र विधान परिषद का सदस्य बनाये जाने पर प्रदेश कार्यालय में पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता। छाया: उत्तरशक्ति

डालरनगरी में बुनकरों के लिए बनेगा ईएसआई हास्पिटल: गिरिराज सिंह

-सुरेश गांधी

भदोही। भाजपा के फायरब्रांड नेता एवं केंद्रीय टेक्सटाइल मिनीस्टर गिरिराज सिंह ने कहा कि डालरनगरी भदोही में जल्द ही बुनकर मजदूरों के लिए ईएसआई हास्पिटल बनेगा। इसके लिए जिला प्रशासन को जमीन खोजने का निर्देश दिया गया है। यह बाते मंगलवार को कालीन निर्यातक संवर्धन परिषद (सीईपीसी) की ओर से भदोही मार्ट में आयोजित चार दिवसीय इंडिया कार्पेट एक्सपो-2024 का उद्घाटन फीता काटने व दीप प्रज्जवलन के बाद निर्यातकों को संबोधन के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि इस मेले से कालीन उद्योग को नद सिर्फ नयी ऊंचाइयां मिलेगी, बल्कि 2030 तक कपड़ा उद्योग 350 बिलियन डालर की इंडस्ट्री भी बन जायेगी। हालांकि इस टारगेट को पूरा करने में उद्यमियों की बड़ी भूमिका होगी और सरकार से उनकी जो अपेक्षाएं है, उसे पूरा किया जायेगा। इस दौरान गिरीराज सिंह ने मेला ग्रांउड पर लगे आकर्षक कालीनों के स्टॉलों का विजिट कर निर्यातकों से कालीनों के बनावट, लागत व वेराइटी पर विस्तार से चर्चा भी की। निर्यातकों की मांग पर गिरीराज सिंह ने भदोही में स्पिनिंग मिल की स्थापना की बात करते हुए कहा कि कारपेट उद्योग कुटीरपरक इंडस्ट्री है। इससे लाखों लोगो को रोजगार मिलता है, इसलिए इस उद्योग के विकास के लिए सरकार हर स्तर पर सुविधाएं मुहैया करायेगी। उन्होंने कारपेट इंडस्ट्री के प्रतिस्पर्धा वाले देशों की चर्चा करते हुए कहा कि हमारे पारंगत डिजाइनों के आगे तुर्की उर्की कहीं नहीं टिकता, बस हमें अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए बाजार को कालीनों की नएं डिजाइनों रेंज देनी होगी। गिरीराज सिंह ने कहा शीघ्र ही भदोही में स्पिनिंग मिल की स्थापना भी होगी। बता दें, फेयर में भदोही, मिजार्पुर, आगरा समेत देश के अलग-अलग जगहों से आकर करीब 265 कालीन निर्यातक कम्पनियों ने अपने उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई है। वहीं दुनियाभर के 67 देशों के करीब 350 आयातक (बॉयर्स) शिकरत कर रहे हैं। बायर्स भदोही और भारत के अनेक स्थानों पर बुनी गई मखमली कालीन की गुणवत्ता व खूबसूरती को निहारेंगें और परखेंगे। इस एक्सपो फेयर को आयोजित कराने वाली सीईपीसी को करीब एक हजार करोड़ के कार्पेट एक्सपोर्ट व्यवसाय की उम्मीद है। कपड़ा मंत्री ने कहा कृषि के बाद कपड़ा मंत्रालय ही देश में सबसे बड़ा रोजगार देने वाला उद्योग है। हमारा लक्ष्य 2030 तक 6 करोड लोगों की रोजगार देने का है। वर्तमान में यह उद्योग 170 मिलियन डॉलर का है जिसे 2030 तक 300 बिलियन डॉलर तक लाया जाएगा, उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग में इस बढ़ोतरी से 20 लाख मिलियन टन यार्न की भी आवश्यकता होगी। अन्तराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए हमें नई तकनिकी पर कार्य करना होगा और मंत्रालय जल्द ही जुट और बम्बो के संयोग द्वारा एक नए फाईबर को विकसित करने पर कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि उद्योग को अन्तराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में रहने के लिए अपनी ट्रांजिसन लागत को कम करने पर ध्यान देना चाहिए, जिसके लिए उन्हें अपने क्षेत्र में ही स्पिनिंग मिल्स लगाने की योजना पर कार्य करना चाहिए, इससे वे अपनी लागत का 15 फीसदी बचा सकते है और साथ ही क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे. कपड़ा और विदेश राज्य मंत्री श्री पवित्रा मगेर्टा ने कहा कि यह मेला शानदार उत्पादों का प्रदर्शन है। इस मेले से भारत की बेहतरीन कला संस्कृति का प्रदर्शन हो रहा है। कालीन पुरे देश को जोड़ने का कार्य कर रहा है। प्रदेश के लघु एवं माध्यम उद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि कारपेट एक अलग प्रकृति का उद्योग है, जिसके लिए उन धागे इत्यादि कृषि उत्पाद है और इसकी बुनाई ज्यादातर किसान करते है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार को मिलकर एक अलग पालिसी बनाये जाने की आवश्यकता है। सरकार इस उद्योग के लिए हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। इस दौरान राकेश सचान प्रदेश सरकार द्वारा अपने विभाग से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

वसई विरार महानगर पालिका आयुक्त को साफ सफाई को लेकर योगेश सिंह ने दिया ज्ञापन

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र अन्तर्गत प्रभाग समिति ई में साफ-सफाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के महामंत्री योगेश सिंह ने आयुक्त अनिल कुमार पावर एवं संबंधित विभाग के उपायुक्त को पत्र दिया है। साथ ही पत्र को सार्वजनिक बांधकाम, स्वास्थ्य विभाग और घनकचरा विभाग को रवाना किया गया है। पिछले कई महीनों से प्रभाग समिति ई क्षेत्र में फायर ब्रिगेड के पीछे, रश्मि रेजीडेंसी, बालाजी हॉल और डी मार्ट, वृन्दावन गार्डन, कैलाश टॉवर, दुर्वास रेजीडेंसी, शांति लाइफ स्पेस 1 के आसपास, हार्मनी, शीतल हाइट्स, समर्पण, वृन्दावन हाइट्स, अग्रवाल रेजीडेंसी, कल्पना गार्डन, सी. डी हाइट्स क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग (ठोस अपशिष्ट विभाग) की उपेक्षा के कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी और कचरा दिखाई दे रहा है। ऐसे में उक्त क्षेत्र में बीमारी फैलने की संभावना बढ़ रही है। महामंत्री योगेश सिंह ने आयुक्त एवं संबंधित विभाग से निवेदन करते हुए कहा कि उक्त क्षेत्र की सफाई के लिए ठोस कदम उठाएं जाएं, जिससे समय रहते लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न हो, साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को उचित निर्देश दिए जाएं। साथ ही महामंत्री योगेश सिंह ने पत्र में प्रभाग समिति 'ई' में फायर ब्रिगेड के पीछे, रश्मि रेजीडेंसी, बालाजी हॉल और डी मार्ट, वृन्दावन गार्डन, कैलाश टॉवर, दुर्वास रेजीडेंसी, शांति लाइफ स्पेस 1 के आसपास , हार्मनी, शीतल हाइट्स, समर्पण, वृन्दावन हाइट्स, अग्रवाल रेजीडेंसी, कल्पना गार्डन, सी. डी. हाइट्स निर्माण के दौरान बनें गटर सही तरीके से नहीं बनाएं गए है, जिससे इन परिसरों में गंदा पानी एवं कचरा बड़े पैमाने पर देखा जाता है। क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य को देखते हुए मनपा यहां जल्द प्रभावी कार्रवाई करते हुए इन समस्याओं से छुटकारा दिलाया जाए। उन्होंने अनुरोध करते हुए कहा है कि उक्त क्षेत्र में नए गटर के निर्माण के लिए संबंधित अधिकारियों को उचित निर्देश दिए जाएं। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार राजेश वर्मा ने दी है।

टाटा ऑटोकॉम्प को डबल डेमिंग पुरस्कार

मुंबई। टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स लिमिटेड, जो भारतीय और वैश्विक डएट२ को सेवा देने वाली एक अग्रणी ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स कंपनी है, ने आज घोषणा की कि उसकी दो इकाइयों–टाटा ऑटोकॉम्प कॉम्पोजिट्स डिवीजन और टाटा फिकॉसा–को 2024 के लिए प्रतिष्ठित डेमिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (ळदट) में उत्कृष्टता के लिए विश्व स्तर पर सबसे बड़े सम्मान में से एक माने जाने वाले इस पुरस्कार से टाटा ऑटोकॉम्प की ग्राहक-केंद्रितता, गुणवत्ता और संचालन में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। इस मान्यता पर टिप्पणी करते हुए और इसे अपने व्यापार के साथ जोड़ते हुए, टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स के अध्यक्ष, अरविंद गोयल ने कहा,डेमिंग पुरस्कार प्राप्त करना हमारे टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ग्राहक-केंद्रितता, सतत सुधार और सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह वह मार्ग है जो हमारे निरंतर विकास और भविष्य की सफलता को आगे बढ़ाएगा। नवाचारी, सतत समाधानों और अत्याधुनिक तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करके टाटा ऑटोकॉम्प तेजी से मोबिलिटी बाजार में विस्तार कर रहा है। अरविंद गोयल ने आगे कहा, टाटा ऑटोकॉम्प ने अपने टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (ळदट) प्रथाओं के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 2024 तक 36% कंपाउंड वार्षिक वृद्धि दर के साथ मजबूत वृद्धि प्रदर्शित की है। इस अवधि के दौरान टाटा फिकॉसा और टाटा ऑटोकॉम्प कॉम्पोजिट्स डिवीजन दोनों ने उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया। इसके अतिरिक्त, दोनों डिवीजनों ने उत्पाद गुणवत्ता को काफी हद तक बढ़ाया, ग्राहक अस्वीकृति दर को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सिंगल डिजिट पीपीएम (पार्ट्स पर मिलियन) तक कम किया।

इंद्रावती मिश्रा के निधन पर शोक संदेश

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति के प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल की धर्मपत्नी मंजु शुक्ला की माता इंद्रावती मिश्रा 70 वर्षीय का उनके मूल निवास जनपद सुलतानपुर स्थित जयसिंहपुर मे सोमवार को हृदय गति थम जाने से निधन गया. उनका अंतिम दाह संस्कार मंगलवार को दियरा घाट पर किया गया उनके निधन पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल,जयसिंहपुर राहुल शुक्ल, प्रशांत शुक्ल, दिवाकर मिश्र, बृजेश मिश्र,भोलानाथ मिश्र,अरुण आर मिश्र, रामबिलास पाठक, दलजीत पांडेय,अरविंद शुक्ल,देवेंद्र प्रताप सिंह, दिनेश सिंह, संतोष पाठक,विमलेश मिश्र,चंदमणि सिंह, सर्वदेव पांडेय, अवधेश तिवारी,शुभम सिंह, ब्रम्हदेव दुबे, अशोक गुप्ता, प्रदीप मिश्र, राजेश पांडेय,राम तीर्थ शर्मा, आदेश कुमार मिश्र ने गहरा शोक प्रकट करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है की पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान दें.और परिजन को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

वरिष्ठ लेखक, पत्रकार, राजनीति के टिप्पणी कार अशोक भाटिया का जन्मदिन उनके दोनों दामाद ,बेटियां,पर बेटी व उनके मंगेतर की उपस्थिति में आज रात 9 बजे मनाया गया। इास मौके पर लोगों ने श्री भाटियां सदा स्वस्थ रहने की शुभकामना दी। छाया: उत्तरशक्ति

विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर अन्तर्गत मड़ियाहुं के ग्राम सभा बासापुर का आदर्श रामलीला समिति बासापुर द्वारा रामलील का आयोजन किया गया। जहां पर क्षेत्र के लोगों ने आनन्द उठाया। छाया: उत्तरशक्ति

जल संरक्षण की दिशा में एक नई क्रांति की शुरूआत करेगा : सम्राट चौधरी

पटना (उत्तरशक्ति)। जनभागीदारी से जल संचयन के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी अभियान 'कैच द रैन' के तहत देशव्यापी जन आंदोलन शुरू करने का बिगुल फूंका गया। सूरत में कर्मभूमि थी जन्मभूमि पहल के तहत गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, डॉ. मोहन यादव, भजन लाल शर्मा और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने राज्यों में जल संग्रहण बढ़ाने पर विचार विमर्श किया।

डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम की 93वी जयंती मनाई गयी

मुंबई। मंगलवार को डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम की 93 वी जयंती कुर्ला मुंबई में मनायी गयी। डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम का जन्म 15 ऑक्टोबर 1931 रामेश्वरम, तमिलनाडु में हुआ था। पूरा नाम अवुल पकीर जैनुलाब्देन अब्दुल कलाम जी है। डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम को भारत में मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है। वह एक भारतीय वैज्ञानिक और राजनीतिज्ञ नेता थे। बाद में वे भारत के 11 वें राष्ट्रपति बने। डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम जयंती बड़े धूम धाम से सी.एस.टी रोड पर्शियन दरबार होटल के सामाने, कुर्ला (पश्चिम) मुंबई में मनायी गयी। उनके चित्र पर फूल अर्पित करके और साथ में केक काटकर एक दूसरे का मुँह मीठा किया गया और कलाम जी के निमित विनम्र अभिवादन पर शत शत नमन किया गया। इस पर सुखबिंदर सिंह(लाला भाई), मो.शोएब खान, जय हिंद कुमार प्रजापति, शरीफ शाह, हरिकेश जैसवाल समाचार 9 ब्यूरो प्रमुख, स्टाइलिश उस्मान, मो.असलम, देवदास मुराजन, इस्लाम खान, जितेन्द्र जाधव, हाशिम, अलाउद्दीन, अजय कुमार यादव समेत अन्य लोगो उपस्थित रहे।

अखंड क्षत्रिय समाज संस्था की तरफ से मिलन समारोह कार्यक्रम संपन्न

राजेश वर्मा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व अखंड क्षत्रिय समाज संस्था की तरफ से समय समय पर समाज की तरफ से स्कूल ,कॉलेज के बच्चो को शिक्षा को लेकर प्रेरित किया जाता है। और अखंड क्षत्रिय समाज संस्था की तरफ से समाज के लिए कुछ न कुछ कार्यक्रम किया जाता है। इसी तरह विजयादशमी के उपलक्ष्य में दशहरा क्षत्रिय मिलन समारोह एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम नालासोपारा पूर्व के प्रगति नगर स्थित ठाकुर विद्या मंदिर हाईस्कूल में रविवार को आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्जवलित करके किया गया। ठाकुर विद्या मंदिर हाईस्कूल, साई चंद्रा हाई स्कूल, आइडियल स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई, साथ ही साथ अमर रघुवंशी व शिवानी श्रीवास्तव द्वारा अपने सुमधुर स्वरकंठो से गीत प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष नरेन्द्र प्रसाद सिंह, सतीश सिंह,अशोक सिंह आशावादी, कुंवर संजय सिंह , विजेंद्र सिंह ,योगेंद्र सिंह कौशिक, आर डी सिंह, प्रभात सिंह, अवनीश सिंह, विजय भान सिंह,अजीत वंशराज सिंह, भानु सिंह, जय नाथ सिंह, अशोक सिंह, राणा प्रताप, राहुल सिंह, प्रवीण सिंह अधिवक्ता उदय सिंह, अरूण सिंह, विशाल सिंह, सनी सिंह, रमाकांत सिंह, सोनू सिंह, मानसिंह, संजय सिंह, शिव बहादुर सिंह, अभय सिंह, आदि ने सराहनीय योगदान दिया।

यश: कायी डॉ सोनेलाल पटेल परिनिर्वाण दिवस 17 को

मुंबई। अपना दल के संस्थापक सामाजिक न्याय के पुरोधा गरीब एवं पिछड़े वर्ग के मसीहा, किसानों के हमदर्द यशःकायी डॉ सोनेलाल पटेल परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन नई मुंबई, पनवेल में किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती अनुप्रिया पटेल(केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण/ उर्वरक एवं रसायन राज्यमंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष अपना दल (एस) उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम विरूपाक्ष मंगल कार्यालय, पनवेल, नवी मुंबई डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के पास) गुरूवार,17अक्टूबर 2024 को दोपहर 2 से 5 बजे संपन्न होगा। आयोजक डॉ. सुभाष सिंह एवं महेंद्र वर्मा अध्यक्ष अपना दल एस, महाराष्ट्र ने सभी को सपरिवार सादर आमंत्रित किया है।

त्योहारों से पहले पारंपरिक मिठाइयों की बिक्री में वृद्धि: स्कैंडलस फूड्स

मुंबई। भारतीय मिठाइयां बनाने वाली प्रमुख बी2बी कंपनी स्कैंडलस फूड्स ने एक दिलचस्प सर्वे जारी किया है, जो त्योहारों के दौरान मिठाइयों की ग्राहकों में बढ़ती पसंद पर आधारित है। इस सर्वे के अनुसार, त्योहारों के दौरान भारतीय मिठाइयों की मांग में भारी वृद्धि देखी गई है, और इन मिठाइयों ने विदेशी डेजर्ट और आइसक्रीम की बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। यह सर्वे 1,000 ग्राहकों और 100 रेस्त्रां पर किया गया, जिसमें त्योहारों से पहले पारंपरिक भारतीय मिठाइयों के प्रति खास रुचि दिखाई दी। आंकड़ों के मुताबिक, त्योहारों के दौरान बिकने वाली मिठाइयों में 55% हिस्सेदारी भारतीय मिठाइयों की रही। वहीं, विदेशी मिठाइयों की बिक्री सिर्फ 25% रही, और बाकी 20% में आइसक्रीम और चॉकलेट का हिस्सा था। रसमलाई, गुलाब जामुन और फ्यूजन डेजर्ट्स जैसे रसमलाई तिरामिसू होटल, रेस्त्रां, और कैटरिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा पसंद किए गए। स्कैंडलस फूड्स के को-फाउंडर संकेत एस ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि जब मीठे की बात आती है, तो भारतीय मिठाइयां पूरी दुनिया में सबसे आगे हैं, खासकर त्योहारों के समय। हमारा नया सर्वे इस बात की पुष्टि करता है कि उत्सवों के दौरान भारतीय मिठाइयां लोगों के दिलों में खास जगह रखती हैं। हमें खुशी है कि हम फ्यूजन डेजर्ट के साथ नए इनोवेशन कर रहे हैं, और साथ ही भारतीय मिठाइयों की समृद्ध परंपरा को बनाए रखते हुए बाजार की बदलती मांगों को पूरा कर रहे हैं।

भांडुप में हिंदीभाषी समता संघ द्वारा माता की चौकी का आयोजन,जमकर लगे मां शेरावाली के जयकारे

मबई। सामाजिक संस्था हिंदी भाषी समता संघ की ओर से भांडुप (पश्चिम) के गांवदेवी स्थित मौर्या हाल में दशहरा स्नेह सम्मेलन व माता की चौकी का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और जमकर मां शेरावाली के जयकारे लगाए। इस मौके पर अतिथि शिवसेना की पूर्व नगरसेविका दीपमाला बड़े ने मां दुर्गा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी शक्तियों का बखान किया। इसके अलावा उन्होंने हिंदीभाषी समता संघ के सामाजिक कार्यों की तारीफ की और सामाजिक समरसता पर बल दिया। दीपमाला ने कहा कि मुंबई के विकास में उत्तर भारतीयों बहुत बड़ा योगदान है,जिसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने ने कहा कि उत्तर भारतीय समाज अब हमारा आवश्यक अंग बन गाय है,जिसके बिना हम अधूरे होंगे। हिंदी भाषी समता संघ के अध्यक्ष हरिगोविंद विश्वकर्मा ने कार्यक्रम में शामिल लोगों से संस्था से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोकगायिका पूनम विश्वकर्मा व बालेंद्र विश्वकर्मा ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम संचालन डॉ. पीएन विश्वकर्मा ने किया। संस्था के कोषाध्यक्ष गंगाराम विश्वकर्मा ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रूप में एड. संदीप शुक्ला, संस्था के प्रकाश मौर्या, पत्रकर ओमप्रकाश प्रजापति, शीतला प्रसाद सरोज, बाबुलनाथ विश्वकर्मा, रामसूरत यादव, काशीनाथ गुप्ता, अजय पटेल, रमेश गुप्ता, अनुराग शर्मा, भगवती शर्मा, शोभा शर्मा, आशीष मौर्या, गयादीन विश्वकर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, रामचंद्र विश्वकर्मा,मुराद हिंदुस्तानी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।